संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -217 शनिवार ,08 जून 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

संक्षिप्त खबर

केजरीवाल को दिल्ली कोर्ट से नहीं मिली नियमित जमानत

नई दिल्ली,07 जून 2024(ए)।दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने शुक्रवार को गिरफ्तार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका को 14 जून तक के लिए स्थगित कर दी है। आज जब मामले की सुनवाई हुई तो केजरीवाल के वकील वरिष्ठ अधिवक्ता एन हरिहरन ने कल तक के लिए स्थगन मांगा, क्योंकि उन्हें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर 182 पन्नों के जवाब को पढने् के लिए और समय चाहिए। उन्होंने दावा किया कि उन्हें आज जमानत पर सुनवाई से कुछ ही समय पहले ईडी का जवाब दिया गया।

प्रज्वल रेवन्ना की मां को अपहरण मामले में मिली अंतरिम जमानत

बेंगलुरु,07 जून 2024(ए)। कर्नाटक हाई कोर्ट ने सेक्स वीडियो स्कैंडल से जुड़े अपहरण के एक मामले में शुक्रवार को प्रज्वल रेवन्ना की मां भवानी रेवन्ना को अंतरिम जमानत दे दी।अदालत ने 14 जून तक के लिए उनकी जमानत मंजूर की है।

व्हाट्सऐप ग्रूप से तस्वीरें हटाने के मामले में 2 युवकों की हत्या

हैदराबाद,07 जून 2024(ए)। तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में व्हाट्सऐप ग्रुप पर तस्वीरें हटाने को लेकर 2 युवकों की हत्या का मामला सामने आया है। दोनों युवकों की चाकू से हत्या की गई है।घटना कडताल में बुधवार रात की है। दोनों युवकों का शव फॉर्च्यून बटरफ्लाई सिटी वेंचर विला के एक कमरे में खून से लथपथ हालत में मिला।मृतकों की पहचान शेषगिरी शिव गौड़ (27) और गुंडेमोनी शिव गौड़ (25) के रूप में हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राष्ट्रपति ने मोदी को दिया नई सरकार बनाने का न्योता

» 9 जून को शपथ ग्रहण

» पीएम ने कहा- 18वीं लोकसभा कुछ कर गुजरने वाली रहेगी

नई दिल्ली,07 जून 2024(ए)। नरेंद्र मोदी को शुक्रवार को नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस की संसदीय दल का लगातार तीसरी बार नेता चुना गया। पुराने संसद (संविधान सदन) के सेंट्रल हॉल में सुबह 11 बजे शुरू हुई मीटिंग में एनडीए के 13 दलों के नेता शामिल हुए।

बैठक में एनडीए के सभी 293 सांसद, राज्यसभा सांसद और सभी राज्यों के मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम मौजूद थे। इसके बाद एनडीए ने दोपहर 3 बजे सरकार बनाने का दावा पेश किया। गठबंधन के नेताओं ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को समर्थन का पत्र सौंपा।

बैठक के बाद मोदी भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से उनके घर जाकर मिले। इसके बाद पीएम शाम को 6 बजे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने पहुंचे। राष्ट्रपति ने उन्हें सरकार बनाने का न्योता दिया। इसके बाद मोदी ने कहा कि 18वीं लोकसभा नई ऊर्जा और कुछ कर गुजरने वाली लोकसभा रहेगी।

राजनाथ ने प्रधानमंत्री पद के लिए मोदी के नाम का प्रस्ताव रखा

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने स्वागत भाषण दिया। राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री पद के लिए नरेंद्र मोदी के नाम का प्रस्ताव रखा। अमित शाह ने इसका समर्थन किया और नितिन गडकरी ने अनुमोदन किया। जेडीएस अध्यक्ष कुमारस्वामी ने प्रस्ताव का समर्थन किया।

इसके बाद टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू, जेडीयू प्रमुख और बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने समर्थन का ऐलान किया। मोदी 9 जून को शाम 6 बजे राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री पद की तीसरी बार शपथ ले सकते हैं। खबर है कि मोदी के साथ पूरा मंत्रिमंडल शपथ ले सकता है।

लोकसभा चुनाव में भाजपा को 240 सीटें मिली हैं। यह बहुमत के आंकड़े (272) से 32 सीटें कम हैं। हालांकि, एनडीए ने 293 सीटों के साथ बहुमत के आंकड़े को पार कर लिया। एनडीए में भाजपा के अलावा 14 सहयोगी दलों के 53 सांसद हैं।

गठबंधन में चंद्रबाबू की टीडीपी 16 सीटों के साथ दूसरी और नीतीश की जेडीयू 12 सीटों के साथ तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है। दोनों ही पार्टियां इस वक्त भाजपा के लिए जरूरी हैं। इनके बिना भाजपा का सरकार बनाना मुश्किल है।

नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद कहा, 18वीं लोकसभा बनने जा रही है। 18 का बहुत महत्व है। 18वीं लोकसभा युवा और नई ऊर्जा और कुछ कर गुजरने वाली लोकसभा होगी। ये वो 25 साल हैं जो अमृतकाल के 25 साल हैं। हम उन सपनों को पूरा करने जा रहे हैं। 18वीं लोकसभा इन सबका पड़ाव है। हमें देश की तीसरी बार सेवा करने का मौका दिया है। मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। मैं विश्वास दिलाता हूं कि पिछले दो टर्म में देश जिस गति से आगे बढ़ा, समाज के हर वर्ग में परिवर्तन साफ-साफ देखा जा सकता है, 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए। 18वीं लोकसभा के हमारे 5 साल के कार्यकाल में हम उतने ही समर्पण भाव में देश की आशाओं-आकाक्षांओं को पूरा करने में कोर-कसर बाकी नहीं रखेंगे।

दिनेश शर्मा ने कहा, लक्ष्य सरकार बनाना है, उसको हमने पाया है। कार्यकर्ता को हम लक्ष्य देते हैं, कार्यकर्ता उसके लिए मेहनत करता है। उसमें कहीं पूरी सफलता मिलती है, कहीं थोड़ी कम मिलती है। अब जहां कम मिली है, वहां अगले बड़े लक्ष्य के साथ पूरा करेंगे।

यूपी में बीजेपी के प्रदर्शन पर मोदी ने कही

यूपी में हमारा बहुत बड़ा वोट परसेंटेज है। 1 परसेंट वोट के कारण हमारी कई सारी सीटें कम हो गई। बीजेपी 2 सीटों से आगे बढ़ी हुई पार्टी है, जो आज 22 राज्यों में शासन कर रही है। हम कमियों और अच्छाइयों की समीक्षा करेंगे।

नायडू-नीतीश पर बोले नरेंद्र मोदी

हमारे पहिये बहुत मजबूत हैं। पहिए जरा सा भी दाएं-बाएं हिलने वाले नहीं है। नीतीश जी पर पूरा भरोसा है। आज जिस तरह से उन्होंने भरोसे को पूरा किया है, अब लोगों को शक नहीं रहना चाहिए।

मेरे लिए जन्म सिर्फ और सिर्फ वन लाइफ वन मिशन और वो है मेरी भारत माता

मेरा पल-पल देश के नाम है। मैं 24X7 उपलब्ध हूं। हमें मिलकर देश को आगे ले जाना है। आपने जितना प्यार दिया है। जितना भरोसा जताया है, मैं आपकी आशाओं, आकांक्षाओं को पूरी करने में कोई कमी नहीं रखूंगा।मेरे लिए जन्म सिर्फ और सिर्फ वन लाइफ वन मिशन और वो है मेरी भारत माता। ये मिशन है 140 करोड़ देशवासियों के सपनों को पूरा करने के लिए खप जाना। ये मिशन है 140 करोड़ देशवासियों को पीढ़ी दर पीढ़ की मुश्किलों से मुक्ति दिलाकर दुनिया में सम्मान दिलाना।दुनिया देखे कि ये हिंदुस्तान का है, इससे नजर मिल जाए तो अच्छा होगा। लोगों को लगना चाहिए कि ये हिंदुस्तानी है, जरा हाथ मिला लूं तो थोड़ी एनर्जी मिल जाए। लोकसभा का ये सफर सबकी आकांक्षाओं को पूरा करेगा। मैं फिर एक बार आप सबका हृदय से धन्यवाद करता हूं।

नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने का दावा पेश करने से पहले लालकृष्ण आडवाणी से मुलाकात की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार केंद्र में सरकार बनाने का दावा पेश करने से पहले आज वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी से उनके आवास पर मुलाकात की। एनडीए संसदीय दल का नेता, भाजपा संसदीय दल का नेता और लोकसभा में भाजपा का नेता चुने जाने के तुरंत बाद पीएम मोदी ने लालकृष्ण आडवाणी से मुलाकात की। बाद में उन्हें सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए राष्ट्रपति भवन जाकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करनी थी। भारतीय जनता पार्टी को 240 सीटें मिली हैं, जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को 293 सीटें मिली हैं और 543 सदस्यीय लोकसभा में उसे बहुमत प्राप्त है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी से उनके आवास पर की मुलाकात और लगातार तीसरी बार केंद्र में सरकार बनाने की अपनी कोशिश दोहराई।

सांसद पर हमला नहीं होना चाहिए

» कंगना रनौत के थप्पड़ कांड पर बोले संजय राउत

नई दिल्ली,07 जून 2024(ए)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद कंगना रनौत को चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर एक केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के अधिकारी द्वारा कथित तौर पर थप्पड़ मारे जाने के बाद शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने उनके प्रति सहानुभूति व्यक्त की। उन्होंने कहा कि एक सांसद पर हमला नहीं किया जाना चाहिए, लेकिन किसानों का भी सम्मान किया जाना चाहिए। गुरुवार को दिल्ली जा रही रनौत को छ्द्धस्स्न के एक अधिकारी ने थप्पड़ मारा था। यह घटना किसानों के विरोध प्रदर्शन को लेकर हुई बहस के दौरान हुई थी, जो कृषि कानूनों (अब निरस्त) सहित अन्य मुद्दों के खिलाफ आयोजित किया गया था। हालांकि, बाद में अधिकारी को निलंबित कर दिया गया।

महाराष्ट्र के मुंबई में मीडिया को संबोधित करते हुए राउत ने कहा, कुछ लोग वोट देते हैं और कुछ थप्पड़ मारते हैं। मुझे नहीं पता कि वास्तव में क्या हुआ है। अगर कांस्टेबल ने कहा है कि उसकी मां भी बैठी थी, तो यह सच है। अगर उसकी मां किसान आंदोलन में थी और किसी ने इसके खिलाफ कुछ कहा, तो इससे गुस्सा पैदा होगा। लेकिन अगर पीएम मोदी कहते हैं कि कानून का राज होना चाहिए, तो इसे हाथ में नहीं लिया जाना चाहिए।

मुझे कंगना से सहानुभूति है- संजय राउत

उन्होंने कहा, किसान आंदोलन में शामिल लोग भारत के बेटे और बेटियां हैं। अगर कोई भारत माता का अपमान करता है और किसी को इससे ठेस पहुंचती है, तो यह सोचने वाली बात है। मुझे कंगना से सहानुभूति है। वह अब सांसद हैं। एक सांसद पर हमला नहीं होना चाहिए, लेकिन किसानों का भी सम्मान किया जाना चाहिए।

मेरे चेहरे पर मारा और मुझे गालियां देने लगी- कंगना रनौत

इस बीच, घटना के बाद रनौत ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पूछा कि पंजाब में बढ़ते उग्रवाद और आतंकवाद को कैसे समाप्त किया जा सकता है। रनौत ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैं सुरक्षित हूं। मैं बिल्कुल ठीक हूं। यह घटना सुरक्षा जांच के दौरान हुई। सुरक्षा जांच पूरी होने के बाद सीआईएसएफ की एक महिला कांस्टेबल मेरे केबिन से गुजरने का इंतजार कर रही थी। बाद में वह बगल से आई, मेरे चेहरे पर मारा और मुझे गालियां देने लगी।भाजपा नेता ने कहा, जब मैंने उनसे पूछा कि उन्होंने ऐसा क्यों किया, तो उन्होंने मुझे बताया कि उन्होंने (सीआईएसएफ अधिकारी) किसानों के विरोध का समर्थन किया था। मेरा (कंगना) सवाल यह है कि हम पंजाब में बढ़ते उग्रवाद और आतंकवाद को कैसे खत्म कर सकते हैं।

अबकी बार मोदी मंत्रिमंडल में घटेगा राजस्थान का कद ?ये सांसद बन सकते हैं मंत्री

नई दिल्ली,07 जून 2024(ए)। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों में राजस्थान ने भाजपा को बेहद निराश किया है। 25 से सीधे ही 14 सीटें रह गईं। इस बार 11 सीटें कम हो गई, जिसका असर मोदी सरकार 3.0 के मंत्रिमंडल में भी देखने को मिल सकता है। मतलब मोदी मंत्रिमंडल 2024 में राजस्थान का कद घटना तय माना जा रहा है।लोकसभा चुनाव 2024 में एनडीए को 292 सीटें मिली हैं, जिनमें खुद भाजपा की 240 सीट हैं। ऐसे में अबकी देश में एनडीए सरकार बनने जा रही है। 9 जून की शाम छह बजे नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद की तीसरी बार शपथ लेने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री शपथ ग्रहण समारोह के साथ ही केंद्रीय मंत्रिमंडल को लेकर भी चिंतन हो रहा है। कयास लगाए जा रहे हैं कि अबकी बार राजस्थान से मंत्री कम बनाए जाएंगे। इसकी वजह सीटों की संख्या कम होना मानी जा रही है। सियासी कयास लगाए जा रहे हैं कि राजस्थान में तीन राजपूत सांसदों में से किसी एक को मंत्री बनाया जा सकता है।

बीकानेर सांसद अर्जुनराम मेघवाल व अलवर सांसद भूपेंद्र यादव रिपीट किए जा सकते हैं। इसलिए भी कम होगी मंत्रियों की संख्या पिछली मोदी सरकार में अर्जुनराम मेघवाल, भूपेंद्र यादव, कैलाश चौधरी, गजेंद्र सिंह शेखावत को मंत्री व ओम बिरला को लोकसभा अध्यक्ष बनाया गया था। कैलाश चौधरी तो बाड़मेर से चुनाव हार गए।

सीबीआई ने लालू यादव और अन्य आरोपियों के खिलाफ दाखिल की चार्जशीट

» 6 जुलाई को कोर्ट करेगी सुनवाई

नई दिल्ली,07 जून 2024(ए)। सीबीआई ने आज कोर्ट में लैंड फॉर जॉब मामले में लालू प्रसाद यादव और अन्य आरोपियों के खिलाफ कंक्लूडिंग चार्जशीट दाखिल कर दिया है। इस चार्जशीट में 78 लोगों के नाम है। इससे पहले दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीबीआई को चार्जशीट दाखिल करने का आदेश दिया था। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 29 मई को अपने एक आदेश में कहा था कि सीबीआई 7 जून तक फाइनल चार्जशीट दाखिल करे। कोर्ट ने सीबीआई पर हर तारीख को चार्जशीट दाखिल करने के लिए समय मांगने पर नाराजगी भी जताई थी।

कोर्ट ने जताई थी नाराजगी

इसी कारण आज सीबीआई ने लैंड फॉर जॉब मामले में लालू प्रसाद यादव और अन्य आरोपियों के खिलाफ कंक्लूडिंग चार्जशीट दाखिल किया है। सीबीआई ने यह चार्जशीट अतिरिक्त सेशन जज विशाल गोगने की कोर्ट में लालू प्रसाद यादव सहित अन्य के खिलाफ दाखिल किया है। सीबीआई ने 78 लोगों को आरोपी बनाया है। सीबीआई ने कहा कि 38 कैंडिडेट्स है, इसके अलावा कुछ अधिकारी शामिल है. सीबीआई ने कहा कि मंजूरी का इंतजार है। सीबीआई ने कहा 6 जुलाई तक इस मामले में मंजूरी मिल जाने की उम्मीद है. कोर्ट चार्जशीट पर 6 जुलाई को सुनवाई करेगा.

तेजस एक्सप्रेस हुई बेपटरी

गाजियाबाद,07 जून 2024(ए)।उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में शुक्रवार को पूर्वाह्न नौ बजकर 35 मिनट पर नयी दिल्ली-भुवनेश्वर तेजस राजधानी एक्सप्रेस का एक डिब्बा पटरी से उतर गया। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी दीपक कुमार ने बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है क्योंकि उस समय ट्रेन 'बहुत धीमी गति से चल रही थी। उन्होंने कहा, '' उस डिब्बे को ट्रेन से अलग किया गया एवं उसके यात्रियों को अन्य डिब्बे में बैठाया गया।

नाबालिग के पिता-दादा पर आत्महत्या के लिए उकसाने का नया मुकदमा दर्ज

पुणे,07 जून 2024(ए)। महाराष्ट्र के पुणे पोर्शे हादसा मामले से जुड़े नाबालिग आरोपी के परिवार को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। पुलिस ने आरोपी के पिता और दादा के खिलाफ एक नया मुकदमा दर्ज किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी के दादा, पिता और 3 अन्य के खिलाफ शहर के एक व्यवसायी के बेटे को आत्महत्या के लिए उकसाने से जुड़ा अलग मामला दर्ज किया गया है।पुणे के वडगांव शेरी इलाके में यह मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि निर्माण व्यवसाय चलाने वाले डीएस कतुरे ने विनय काले नाम के व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें कतुरे ने बताया कि उनके बेटे शशिकांत कतुरे ने निर्माण कार्य के लिए कर्ज लिया था।शशिकांत ने समय पर भुगतान नहीं किया तो काले ने मूल राशि पर चक्रवृद्धि ब्याज जोडना् शुरू कर दिया और शशिकांत को परेशान किया।आरोप है कि लगातार उत्पीडन् से तंग आकर शशिकांत ने इस साल जनवरी में आत्महत्या कर ली।

पुलिस ने बताया कि शहर के चंदननगर पुलिस थाने में काले के खिलाफ धारा 306 (आत्महत्या के लिए उकसाना) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत मामला दर्ज किया गया था।अब आगे की जांच के बाद मामले में नाबालिग के पिता, उसके दादा और 3 अन्य की भूमिका सामने आई है, जिसके बाद उनके नाम के साथ धोखाधड़ी और सामान्य इरादे की धारा जोड़ी गई है।

कर्नाटक का 86 करोड़ का एसटी फंड घोटाला

» अधिकारी की आत्महत्या और मंत्री के इस्तीफे का क्या है कनेक्शन?

बंगलुरु,07 जून 2024(ए)। कर्नाटक के अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री बी नागेंद्र ने 187 करोड़ रुपये के अवैध धनराशि अंतरण घोटाले में अपना नाम सामने आने के बाद गुरुवार को इस्तीफा दे दिया। यह घोटाला राज्य सरकार के एक अधिकारी की आत्महत्या के बाद सामने आया. इसे सिद्धरमैया के नेतृत्व वाली एक वर्ष पुरानी सरकार के लिए करारा झटका माना जा रहा है।कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड के लेखा अधीक्षक चंद्रशेखरन पी ने 26 मई को आत्महत्या कर ली थी। उन्होंने अपने सुसाइड नोट में कहा था कि उन्होंने मंत्री बी नागेंद्र और छह अधिकारियों के निर्देश पर पांच मार्च से 23 मई के बीच कॉर्पोरेशन के 86.62 करोड़ रुपये एक कोऑपरेटिव बैंक समेत बेंगलुरु और हैदराबाद की कुछ प्राइवेट कंपनियों के खाते में ट्रांसफर किए थे।

प्रियंका गांधी और रणदीप सुरजेवाला ने नीट परिणाम को लेकर एनटीए पर लगाए गंभीर आरोप

» फिजिक्सवाला' के फाउंडर ने तो दिखाए सबूत...

नई दिल्ली,07 जून 2024(ए)। नीट के रिजल्ट जारी होते ही छात्रों ने बवाल काट दिया है। सोशल मीडिया पर छात्रों से लेकर एक्सपर्ट ने तरह-तरह के सवाल करने शुरू कर दिए है। इसमें अब राजनेताओं ने भी सरकार और एनटीए से सवाल पूछना शुरू कर दिया है। प्रियंका गांधी ने मोदी सरकार से इसे लेकर सवाल किया है। प्रियंका गांधी वाडरा ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि पहले नीट परीक्षा का पेपर लीक हुआ और अब छात्रों का आरोप है कि इसके रिजल्ट में भी स्कैम हुआ है।आगे प्रियंका ने लिखा कि एक ही सेंटर के 6 छात्रों को 720 में से 720 नंबर मिलने पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं और कई तरह की अनियमितताओं की बातें सामने आ रही हैं। दूसरी ओर, रिजल्ट आने के बाद देश भर में कई बच्चों के आत्महत्या करने की खबरें हैं। यह बहुत दुखद और झकझोरने वाला है। सरकार लाखों छात्रों की आवाज को अनसुना क्यों कर रही है? छात्र-छात्राओं को ह्रश्वश्वञ्ज परीक्षा के परिणाम में धांधली से जुड़े वाजिब सवालों के जवाब चाहिए। क्या सरकार की जिम्मेदारी नहीं बनती कि वो जांच कराकर इन वाजिब शिकायतों का निस्तारण करें?

संपादकीय

बहुमत गंवाने की तलवार

एनडीए अगर एकजुट रहा, तो भी सहयोगी दलों के तेवर गुजरे दस वर्षों जैसे नहीं रहेंगे। ऐसे में गठबंधन और सरकार का नेतृत्व करना एक नए तरह के कौशल की मांग करेगा। नरेंद्र मोदी ऐसे कौशल के लिए नहीं जाने जाते।दो राज्यों- उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्त्वाकांक्षाओं और सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के एजेंडे पर तगड़ा प्रहार किया। इनके अलावा कई और राज्यों ने पार्टी के वर्चस्व में सेंध लगाई। इनमें हरियाणा, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, झारखंड एवं कुछ अन्य राज्यों का जिक्र किया जा सकता है। भाजपा को ओडिशा, तेलंगाना, और यहां तक कि केरल में भी अनपेक्षित सफलताएं मिलीं। लेकिन यह कामयाबी जिन राज्यों ने उसे झटका दिया, उसकी भरपाई करने लायक नहीं है। नतीजा यह है कि पार्टी के हाथ से बहुमत निकल गया है। बल्कि बहुमत से उसकी दूरी अच्छी-खासी है। हालांकि भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए को जरूर स्पष्ट बहुमत मिला है, लेकिन अब जो सियासी उभरी है, उसमें कौन किस गठबंधन में रहेगा, यह फिलहाल अनिश्चित हो गया है। फिलहाल निश्चित यह है कि एनडीए अगर एकजुट रहा, तो भी सहयोगी दलों के तेवर गुजरे दस वर्षों जैसे नहीं रहेंगे। ऐसे में गठबंधन और सरकार का नेतृत्व करना एक नए तरह के कौशल की मांग करेगा। नरेंद्र मोदी ऐसे कौशल के लिए नहीं जाने जाते। उनकी पहचान आदेशात्मक अंदाज में शासन करने वाले नेता की रही है।इसीलिए एनडीए को बहुमत मिलने और भाजपा के सबसे बड़े दल के रूप में उभरने के बावजूद मोदी-शाह की जोड़ी के लिए पहले की तरह राज करना आसान नहीं होगा। अत- कहा जा सकता है कि 2024 के जनादेश से देश के राजनीतिक गतिशास्त्र में भारी बदलाव आ सकता है। इस चुनाव ने इस धारणा को तोड़ दिया है कि आरएसएस के एजेंडे और मोनोपॉली कॉरपोरेट के साथ उसके गठजोड़ ने भारतीय राजसत्ता पर अपना अटूट शिकंजा कस लिया है। नरेंद्र मोदी इसी शिकंजे का प्रतीक समझे जा रहे थे। इस शिकंजे में प्रधानमंत्री का भरोसा इतना गहरा था कि जन-कल्याण के एजेंडे को वे रेवड़ी' बताने लगे। इसकी कीमत उनकी पार्टी को चुकानी पड़ी है। नतीजतन, मोदी अब अपने पुराने अंदाज में राज नहीं कर पाएंगे। वे किस अंदाज में शासन करते हैं, यह देखना दिलचस्प होगा। अब उन्हें हमेशा यह याद रखना होगा कि बहुमत गंवाने की तलवार उनके सिर पर लटकी हुई है। चूंकि लोकसभा चुनाव परिणाम में कोई भी पार्टी बहुमत का जादुई आंकड़ा नहीं छू सकी है, इसलिए इतना तय है कि केंद्र में गठबंधन सरकार होगी।बेशक, भाजपा 240 सीट जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है, लेकिन बहुमत के आंकड़े 272 से यह संख्या काफी कम है। हालांकि भाजपा नीत गठबंधन की सीटों की संख्या 292 है, जबकि विपक्षी इंडिया' गठबंधन के पास 233 सीटें हैं। इसलिए गठबंधन सरकार बनाने की कवायद दोनों तरफ से तेज हो गई है। साफ है कि सरकार बनाने में जदयू और तेलुगू देशम की भूमिका महत्त्वपूर्ण होगी। ये दोनों अभी भाजपा के सहयोगी दल हैं।जदयू भाजपा नीत एनडीए गठबंधन के महत्त्वपूर्ण घटक है, लेकिन इंडिया' गठबंधन के नेता दोनों दलों से संपर्क साधने में जुट गए हैं। इसलिए कि उन्हें लगता है कि इन दलों और भाजपा का सहयोग-साथ स्वाभाविक नहीं है, और भाजपा के साथ इन दलों के नेता सहज महसूस नहीं करते। जदयू के नेता नीतीश कुमार और तेलुगू देशम के नेता चंद्रबाबू नायडू के साथ ही रालोद मुखिया जयंत चौधरी, लोक जनशक्ति पार्टी के चिराग पासवान समेत छोटे दलों पर भी इंडिया' गठबंधन के नेताओं की नजर है।

महासागरों में बढ़ते प्रदूषण को रोकना होगा

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू, राजस्थान

महासागर इस दुनिया में मनुष्य के जीवित रहने का एक प्रमुख कारण है। महासागर हमें पीने के लिए पानी और सांस लेने के लिए ताजी हवा प्रदान करता है। इसलिए महासागर प्रदूषण का मुद्दा महत्वपूर्ण है। हम अपने जीवन में बहुत कुछ महासागर पर निर्भर हैं। महासागर प्रदूषण एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। हमारे महासागरों में कचरा जमा हो रहा है लेकिन सवाल यह है कि कचरा कहाँ से आ रहा हैं।

आज जब विश्व की कुल जनसंख्या का 30 प्रतिशत तटीय क्षेत्रों में निवास करता है तो ऐसी स्थिति में महासागर उनके लिए खाद्य पदार्थों का प्रमुख स्रोत साबित हो सकते हैं। सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण होने के कारण महासागर अत्यंत उपयोगी हैं। पृथ्वी पर जीवन का अस्तित्व यहां उपस्थित वायुमंडल और महासागरों जैसे कुछ विशेष कारकों के कारण ही संभव हो पाया है। अपने आरंभिक काल से आज तक महासागर जीवन के विविध रूपों को संजोए हुए हैं। पृथ्वी के विशाल क्षेत्र में फैले अथाह जल का भंडार होने के साथ ही महासागर अपने अंदर व आसपास अनेक छोटे-छोटे नाजुक पारितंत्रों को पनाह देते हैं। जिससे उन स्थानों पर विभिन्न प्रकार के जीव-जंतु व वनस्पतियां पनपती हैं।

वर्तमान में मानवीय गतिविधियों का प्रभाव समुद्रों पर भी दिखाई देने लगा है। महासागरों के तटीय क्षेत्रों में दिनों-दिन प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। जहां तटीय क्षेत्र विशेष कर नदियों के मुहानों पर सूर्य के प्रकाश की पर्याप्तता के कारण अधिक जैव-विविधता वाले क्षेत्रों के रूप में पहचाने जाते थे। वहीं अब इन क्षेत्रों के समुद्री जल में भारी मात्रा में प्रदूषणकारी तत्वों के मिलने से वहां जीवन संकट में हैं। तेलवाहक जहाजों से तेल के रिसाव के कारण एवं समुद्री जल के मटमैला होने पर उसमें सूर्य का प्रकाश गहराई तक नहीं पहुंच पाता है। जिससे वहां जीवन को पनपने में परेशानी होती है और उन स्थानों पर जैव-विविधता भी प्रभावित होती है।

हर साल जून 8 को दुनिया भर में विश्व महासागर दिवस मनाया जाता है। 1987 में ब्रंटलैंड की एक रिपोर्ट में टिप्पणी की गयी थी की विश्व के जो महासागर हैं उन पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसी रिपोर्ट से प्रेरित होकर कनाडा ने विश्व महासागर दिवस मानाने का प्रस्ताव रखा। 1992 में कनाडा के इंटरनेशनल सेंटर फॉर ओशन डेवलपमेंट ने इस दिवस को मानाने का प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र के एक सम्मेलन अर्थ समिट में रखा था। 8 जून 2009 को पहला विश्व महासागर दिवस मनाया गया। इसके बाद से प्रतिवर्ष 8 जून को विश्व महासागर दिवस मनाया जाता है। हर साल विश्व महासागर दिवस के अवसर पर विश्व में महासागर से जुड़े विषयों पर विभिन्न आयोजन किए जाते हैं। जो महासागर के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं के प्रति जागरूकता पैदा करने में मुख्य भूमिका निभाते हैं।

महासागर हमारी पृथ्वी पर न सिर्फ जीवन के प्रतीक है बल्कि पर्यावरण संतुलन में भी प्रमुख भूमिका अदा करते है। पृथ्वी पर जीवन का आरंभ महासागरों से माना जाता है। महासागरो में असीम जैव विविधता का भंडार समाया है। पृथ्वी का लगभग 70 प्रतिशत भाग महासागरों से घिरा है। पृथ्वी पर उपलब्ध समस्त जल का लगभग 97 प्रतिशत जल महासागरों में समाया हुआ है। महासागरों की विशालता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यदि पृथ्वी के सभी महासागरों को एक विशाल महासागर मान लिया जाए तो उसकी तुलना में पृथ्वी के सभी महाद्वीप एक छोटे द्वीप से प्रतीत होंगे।

महासागर खाद्य पदार्थों का एक प्रमुख स्रोत होने के कारण हमारी अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। आज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की मदद से महासागरों से पेट्रोलियम सहित अनेक महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधनों को निकाला जा रहा है। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन सहित अनेक मौसमी घटनाओं को समझने के लिए समुद्रों का अध्ययन भी महत्वपूर्ण है। पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति महासागरों में ही हुई है। आज भी महासागर जीवन के लिए आवश्यक परिस्थितियों को बनाए रखने में सहायक हैं। महासागर पृथ्वी के एक तिहाई से अधिक क्षेत्र में फैले हैं। इसलिए महासागरीय पारितंत्र में थोड़ा सा परिवर्तन पृथ्वी के समूचे तंत्र को अव्यवस्थित करने का सामर्थ्य रखता है।

प्रशांत महासागर पृथ्वी पर सबसे बड़ा महासागर है। पृथ्वी की सतह का यह लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा है। इस महासागर की गहराई 35 हजार फुट और इसका आकार ट्राईगल यानि त्रिभुजाकार है। प्रशांत महासागर में करीब 25,000 द्वीप हैं। अटलांटिक महासागर क्षेत्रफल और विस्तार की दृष्टि से दुनिया का दूसरे सबसे बड़ा महासागर है। इसके पास पृथ्वी का 21 प्रतिशत से अधिक भाग है। अटलांटिक महासागर का आकार अंग्रेजी के 8 की संख्या के जैसा है। इस महासागर की कुछ वनस्पतियां खुद से चमकती हैं क्योंकि यहां सूर्य की रोशनी नहीं पहुंचती।

हिंद महासागर दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा महासागर है। यह धरती का लगभग 14 प्रतिशत हिस्सा है। हिंद महासागर को रत्नसागर नाम से भी जाना जाता है। हिन्द महासागर इकलौता ऐसा महासागर है जिसका नाम किसी देश के नाम पर रखा गया है। अंटार्कटिका महासागरों में चैथा सबसे बड़ा महासागर है। इस महासागर को ऑस्ट्रल महासागर के नाम से भी जाना जाता है। इस महासागर में आइसबर्ग तैरते हुए देखे जाते हैं। अंटार्कटिका की बर्फीली जमीन के अंदर 400 से भी अधिक झीलें हैं। आर्कटिक महासागर पांच महासागरों में सबसे छोटा और उथला महासागर है। इसे उत्तरी ध्रुवीय महासागर भी कहते हैं। सर्दियों में यह महासागर पूर्णतः समुद्री बर्फ से ढका रहता है।

महासागरों में बढ़ता प्रदूषण चिंता का विषय बनता जा रहा है। अरबों टन प्लास्टिक का कचरा हर साल महासागरों में समा जाता है। आसानी से विघटित नहीं होने के कारण यह कचरा महासागरो में जस का तस पड़ा रहता है। अकेले हिंद महासागर में भारतीय उपमहाद्वीप से पहुंचने वाली भारी धातुओं और लवणीय प्रदूषण की मात्रा प्रतिवर्ष करोड़ों टन है। विषैले रसायनों के रोजाना मिलने से समद्री जैव विविधता भी प्रभावित होती है। इन विषैले रसायनों के कारण समुद्री वनस्पति की वृद्धि पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने वाले परितंत्रों में महासागर की उपयोगिता को देखते हुए यह आवश्यक है कि हम महासागरीय पारितंत्र के संतुलन को बनाए रखें तभी हमारा भविष्य सुरक्षित रहेगा।

अपने आरंभिक काल से आज तक महासागर जीवन के विविध रूपों को संजोए हुए हैं। पृथ्वी के विशाल क्षेत्र में फैले अथाह जल का भंडार होने के साथ महासागर अपने अंदर व आस-पास अनेक छोटे-छोटे नाजुक पारितंत्रो को पनाह देते हैं। जिससे उन स्थानों पर विभिन्न प्रकार के जीव व वनस्पतियां पनपती हैं। इसी प्रकार तटीय क्षेत्रों में स्थित मैन्ग्रोव जैसी वनस्पतियों से संपन्न वन समुद्र के अनेक जीवों के लिए नर्सरी का काम करते हुए विभिन्न जीवों को आश्रय प्रदान करते हैं। महासागरों में पृथ्वी का सबसे विशालकाय जीव व्हेल से लेकर सूक्ष्म जीव भी मिलते हैं। एक अनुमान के अनुसार केवल महासागर के अंदर करीब दस लाख प्रजातियां उपस्थित हो सकती हैं।

हम सांस लेने के लिए जिस ऑक्सीजन का प्रयोग करते हैं। उसकी दस फीसद मात्रा हमें समुद्र से ही प्राप्त होती है। समुद्र में मौजूद सूक्ष्म वैक्टीरिया ऑक्सीजन का उत्सर्जन करते हैं जो पृथ्वी पर मौजूद जीवन के लिए बेहद जरूरी है। समुद्र में प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण की वजह से ये वैक्टीरिया पनप नहीं पा रहे हैं। जिसके कारण समुद्र में ऑक्सीजन की मात्रा भी लगातार घट रही है। यदि हम समय रहते नहीं चेते तो यह पशु-पक्षियों के साथ-साथ इंसानों के लिए भी बहुत बड़ा खतरा बन सकता है।

भारतीय लोकसभा चुनाव 2024 का चुनाव परिणाम बुरा नहीं है

संजय गोस्वामी
मुंबई, महाराष्ट्र

चुनाव परिणाम अनुकूल नहीं रहे, पर इतने बुरे भी नहीं रहे। स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार देश की जनता ने सीधे तीसरी बार प्रधानमंत्री चुना है। संख्या थोडी कम हुई, पर 240 बहुत अधिक होता है 99 से, और 293 पर्याप्त अधिक है 232 से, यह साधारण गणित है, इतनी समझ सभी को है। इस पर जश्न नहीं मना सकते तो दुखी होने का उतना बड़ा कारण भी नहीं है। हां, आत्मचिंतन का विषय अवश्य है।आप हर चुनाव का पूर्व का विश्लेष्ण देखेंगे तो हर 10 साल में सत्ता परिवर्तन होता है। भारतीय बहुसंख्यक समाज का बौद्धिक खोखलापन और सांस्कृतिक पतन इतना अधिक हो चुका है, यह भी देखने का समय है। जो सामाजिक आर्थिक विकास और सांस्कृतिक पुनर्जागरण पिछले दस वर्षों में हुआ है, वह कम से कम उसके पीछे के कई दशकों में नहीं हुआ था। पर हो क्या रहा है, कोई अयोध्या का पानी न पीने की बात कर रहा है, कोई अयोध्या वासियों के आर्थिक बहिष्कार की बात कर रहा है, तो कोई कोई तो राम को ही सलाह दे रहा है कि अब मत आना, उस राम के बारे में जिसे तुलसी बाबा लिख गए हैं-

होइहै सोई जो राम रचि राखा।
को करि तरक बढ़ावहिं साखा॥

प्रस्तुत दोहे में गोस्वामी तुलसीदास कहते हैं, जो कुछ राम ने रच रखा है, वही होगा। तर्क करने से कोई फायदा नहीं अर्थात भविष्य के बारे में सोचकर क्यों बात को विस्तार देना।

तो चुनाव में भी जो हुआ उसे राम की मर्जी ही मानने में क्या जाता है। यह एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण ही नहीं युद्ध का काल है। यह कोई साधारण चुनाव नहीं था, यह भारत के भविष्य का चुनाव था। दुनिया भर की दुष्ट शक्तियाँ इस गति को रोकने में लगी थीं, जिसमें वे अपने लाख प्रयास के बाद भी सफल नहीं हो पाई, उनसे न तो कोई अपेक्षा होनी चाहिए, न ही उनकी बातों का संज्ञान लेने की कोई आवश्यकता है। ऐसे लोग सभ्यता के हर विजय रथ आगे बढ़ रहा है बढ़ता रहे, यह सद्प्रयास होना चाहिए। सांस्कृतिक युद्ध और सभ्यता के अस्तित्व के संघर्ष में सजग रहना भी अत्यंत आवश्यक है। बेशक इस लड़ाई में थोडी चोट लगी है, युद्ध में चोट लगना भी स्वाभाविक है, पर जीत होगी यह तय है। और हां, जिनकी निष्ठाएं हर घड़ी बदलती रहती हैं, काल में मौजूद रहे हैं। चुनाव परिणाम घोषित होने पर जो लोग नरेंद्र मोदी का उपहास उड़ा रहे हैं, या जश्न मना रहे हैं, ये मूर्ख हैं। इतिहास गवाह है कि महापुरुषों को ऐसे मूर्खों का सामना जीवन पर्यंत करते रहना पड़ा है,पर महापुरुषों की महानता सदैव अक्षुण्ण रही है। राणा प्रताप, शिवाजी, पृथ्वीराज चौहान, सुभाष चन्द्र बोस, विवेकानंद के अलावा तुलसी तक को इन्होंने नहीं छोड़ा, वीर शिवा जी की जाति को लेकर कितना प्रपंच किया गया, पेशवा बाजीराव जैसे योद्धा को भी सवालों से घायल कर दिया गया, तुलसीदास को भाषा के आधार पर अपमानित होना पड़ा, पर क्या विगत 400-500 वर्षों में कोई भी शिवाजी महाराज, पेशवा बाजीराव या तुलसीदास जैसे महापुरुष बन पाया? मोदी प्रधानमंत्री रहे हैं, आगे भी रहेंगे, लोकतंत्र की कई विवशताएँ होती हैं, कई बार सरकार के निर्णय हमारे मनोनुकूल नहीं होते, तो निराशा होती है। कुछ इतिहास भी पढ़ लो कि युद्ध कैसे जीता जाता है। इसमें वनवास भी होता है, द्रौपदी का अपमान भी झेलना पड़ता है, और अभिमन्यु को भी रण में गँवाना पड़ता है, धर्म की स्थापना बिना युद्ध के नहीं होती !ब्रिटिश साम्राज्य का संचालन उसी सिद्धांत के आधार पर किया गया था। अपने विचारों को प्रधानता के बल पर अजनबियों की एक छोटी सी संख्या ने इतने बड़े साम्राज्य का संचालन किया, जिसे बहुसंख्यकों ने स्वीकार किया। स्वाधीनता- प्राप्ति के पश्चात गणतंत्र के निर्माताओं ने एक संविधान लिखा, जिसने राष्ट्र को सत्ता के कुलीनों को आर्थिक विशेषाधिकार के पदों पर बने रहने हेतु समर्थ बनाया, जबकि संविधान में सभी को समान स्तर प्रदान किया गया था। लोकतंत्र, समानता, समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता के विचार नए थे और समय के साथ उनका तालमेल भी था; परंतु उनका कार्यान्वयन इस प्रकार से हुआ, मानो वह सत्ता एवं विशेषाधिकारों के मौजूदा संबंधों को संरक्षित करनेवाला हो।

इस चुनाव में सत्ता परिवर्तन को नियंत्रित करने का बेहतर प्रयास मोदीजी ने किया है और जीत हुई है भले ही एनडीए दल ही क्यों ना हो मोदीजी के चेहरे पर चुनाव लड़ा गया है और बहुमत से 22 सिट अधिक है.

मुकम्मल जीत की संज्ञा नहीं दी जा सकती

आखिरकार,मतगणना पूर्व सारी कयासबाजियों को खारिज कर कांग्रेस ने एक तरह से भाजपा के मुकाबले जीत हासिल कर ली है। हालांकि और बेशक, इसे मुकम्मल जीत की संज्ञा नहीं दी जा सकती है।भाजपा के करीब 232-236 सीटों के मुकाबले उसे 105 सीटें मिलने के आसार हैं। यदि हम इंडिया गठबंधन के लिहाज से देखें तो पूरे गठबंधन को देश भर में बहुमत के जादुई आंकड़े से कम या फिर इसके बिल्कुल करीब 260-65 सीटें मिल सकती हैं, और अब यह तय हो गया है कि देश में मोदी राज का एक तरह से अंत हो सकता है। लेकिन यह तभी मुमकिन होगा यदि कांग्रेस अपने साथ जदयू जैसे राजनीतिक दलों को साथ मिलाए, जिसने बिहार में 12 सीटें जीत कर अपना महत्त्व एनडीए और इंडिया गठबंधन, दोनों के लिए एक समान रखा है। अब सरकार किसकी बनेगी, इसका दरोमदार बहुत हद तक नीतीश कुमार के रुख पर निर्भर करता है।यदि हम अभी सरकार के गठन पर विचार न करें और केवल इस बात पर फोकस करें कि कांग्रेस को मिली यह जीत उसके लिए कितना मायने रखती है तो हम मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य को सहज तरीके से समझ सकते हैं। इसके साथ ही हमें कांग्रेस की जीत पर नये सिरे से विचार करना होगा कि आखिर, उसे यह जीत मिली है, कैसे मिली है, और अब उसके सामने किस तरह की चुनौतियां आने वाली हैं। सबसे पहले तो यह कि कांग्रेस को मिली यह जीत केवल उसकी जीत नहीं है, बल्कि इसमें उसके सहयोगी दलों की भी अहम भूमिका रही है। खासकर उत्तर भारत में उसकी जीत मुमकिन नहीं होती यदि उसे सहयोगी दलों का सहयोग प्राप्त नहीं होता।मसलन, उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को 7 सीटें मिलने के आसार हैं, और उसके मुख्य सहयोगी दल समाजवादी पार्टी को अप्रत्याशित तरीके से 36 सीटों पर जीत मिल सकती है। हालांकि बिहार में कांग्रेस और उसके सहयोगी घटक दल वह प्रदर्शन नहीं पाए हैं, जो उत्तर प्रदेश में उन्होंने कर दिखाया।उसकी मुख्य सहयोगी राजद स्वयं 5 सीटों के अंदर सिमट गई है तो कांग्रेस को भी वहां राजद जैसे सहयोगियों के साथ होने से 2 सीटें मिलने के आसार हैं। लेकिन झारखंड में भी कांग्रेस को यदि 2 सीटें मिलने के आसार हैं, तो इसकी मुख्य वजह झारखंड मुक्ति मोर्चा है, जिसे 3 सीटें मिल सकती हैं। ऐसे ही मध्य भारत विशेषकर महाराष्ट्र में कांग्रेस को मिली जीत के पीछे एनसीपी (शरद पवार गुट) और शिवसेना (उद्धव ठाकरे) गुट की भूमिका है।अलबत्ता, हम यह कह सकते हैं कि राजस्थान छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को मिली जीत उसकी अपनी जीत है। ऐसे ही दक्षिण भारत में उसे मिली कामयाबी का श्रेय कांग्रेस को अकेले नहीं दिया जा सकता है। यह साफ है कि कांग्रेस को मिली यह ऐतिहासिक कामयाबी के पीछे इंडिया गठबंधन का होना है, जिसने दस साल से चली आ रही नरेन्द्र मोदी हुकूमत को लगभग उखाड़ फेंका है। ऐसे में अब यह कांग्रेस की जिम्मेदारी है कि वह इस इंडिया गठबंधन की एकता को बनाए रखे और अब जो सरकार बनेगी, उसमें वह अपने घटक दलों को समुचित सम्मान दे। इसके अलावा, उसे यह सनद रहना चाहिए कि इंडिया गठबंधन ऐसे राजनीतिक दलों का समूह है जो विचारधारा के स्तर पर मौलिक रूप से एक नहीं हैं। इस कारण भी कांग्रेस की चुनौतियां निश्चित रूप से बढने वाली हैं। हालांकि वर्ष 2004 में यूपीए-1 के दौरान भी इस तरह का माहौल था, तब कांग्रेस ने डॉ. मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री बनाकर अपने सहयोगियों की एकता को मजबूत किया था। जाहिर तौर पर प्रधानमंत्री कौन बनेगा, बहुत हद तक इस बात पर निर्भर करेगा।नई सरकार का नेतृत्व के अलावा कांग्रेस के सामने अब जो सबसे बड़ी चुनौती है, वह अपने वायदों को पूरा करने की है। इन वायदों में सामाजिक न्याय को लेकर किए गए वायदे हैं, जिसे उसने अपने घोषणापत्र में प्रथम स्थान दिया था। इसके मुताबिक उसे देश में जातिगत जनगणना करवाने की घोषणा अति शीघ्र करनी होगी, क्योंकि मोदी सरकार ने 2021 में होने वाली सामान्य जनगणना पर भी रोक लगा रखी थी।इसके अलावा, कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण पर 50 प्रतिशत की अधिकतम सीमा को समाप्त करने की बात कही थी, तो इसके लिए भी उसे पहलकदमी करनी होगी। और ये दोनों काम इतने आसान नहीं हैं क्योंकि जातिगत जनगणना को लेकर कांग्रेस के अंदरखाने में ही विषम आवाजें तब भी सुनाई दे रही थीं, जब वह जीत के लिए संघर्षरत थी। ऐसे में उसे अपने अंदर उठने वाली आवाजों से भी टकराना होगा। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने चुनावी सभाओं में जनसंख्या के अनुपात में समानुपातिक हिस्सेदारी का सवाल बार-बार उठाया था। अब जब कांग्रेस के नेतृत्व में सरकार बनना तय हो गया है तो उसे अब यह सत्य करके दिखाना होगा। लेकिन वह सरकारी तंत्र, जिस पर अब भी सामान्य वर्ग के लोगों का कब्जा अधिक है, क्या इसके लिए तैयार होगा?

-नवल किशोर कुमार-

बाल कहानी:सच्ची मित्रता

टीकेश्वर सिन्हा गब्दीवाला
घोटिया-बालोद छत्तीसगढ़

बांधा तालाब के किनारे एक बहुत बड़ा बरगद का पेड़ था। मोटे व गठीले तने पर मोटी-मोटी शाखाएँ निकली हुई थी। हरी-हरी पत्तियों से टहनियाँ सुशोभित थीं। पत्तियों की आड़ से सूरज की किरणें धरती पर ठीक से नहीं पहुँच पा रही थीं , जिससे वृक्ष के नीचे छाया पूर्णतः व्याप्त थी। जेठ का महीना था और दोपहर का समय। पत्तियों को स्पर्श करती हुई गर्म हवा बह रही थी। विशाल बरगद का पेड़ एक अस्सी वर्षीय शांत स्वाभाव बुजुर्ग सा प्रतीत हो रहा था।

भीषण गर्मी के बावजूद निश्चिंत होकर फिरतू, नायडू, भऊ,और भंगी डंडा-पचरंगा का खेल खेल रहे थे। इन चारों में अच्छी मित्रता थी। हर काम मिलजुलकर करते थे। इस समय फिरतू ,नायडू और भंगी पेड़ पर चढ़े थे। नीचे एक गोल घेरे में रखे डंडे के पास भऊ खड़ा था। भऊ का काम पेड़ पर चढ़े इन तीनों को छूना था; और इनसे डंडे को छूने से बचाना था। सभी अपने-अपने ढंग से तैयारी में थे। जैसे भी करके फिरतू और नायडू ने एक-एक करके डंडे को छू लिया। अब बच गया भंगी। भऊ भंगी को छूने के लिए पेड़ पर चढ़ गया और उसके बिल्कुल करीब पहुँच गया। भंगी खुद को बचाने के चक्कर में एक पतली डाली से लिपटकर खर-खर खर-खर उतरने लगा। जल्दबाजी में भंगी का पैर अचानक फिसल गया। हाथ से डाली छूट गयी; और खुद धड़ाम से गिर गया। गिरते ही उसके मुँह से ए दाई ओ.

निकला। आँखें छिटकने लगी उसकी। जोर-जोर से कराहने लगा। शरीर में कँपकँपी छाने लगी। देखते ही देखते भंगी मूर्छित हो गया।

यह सब देख फिरतू , नायडू और भऊ का अक्का-बक्का बंद हो गया। फिर भी तीनों मित्रों ने हिम्मत नहीं हारी। फिरतू ने तुरंत भंगी की कमीज खोली। उसके आँखों को अपने दोनों हथेलियों से मूँदकर मुँह से हवा देने लगा। नायडू भंगी के पैर को सहलाने लगा फिरतू ने भऊ को तालाब से पानी लाने के लिए इशारा किया। भऊ दौड़ते-दौड़ते तालाब गया और नारियल के खटोली व अपने मुँह में पानी भर-भरकर लाने लगा; और भंगी के सिर पर थोपने लगा। तीनों मित्रों के अथक प्रयास से भंगी की मूर्छा दूर हुई। भंगी को होश में आते देख तीनों मित्रों को बहुत खुशी हुई। उन्हें लगा कि उनकी मेहनत सार्थक रही। भंगी अपनी जान बचाने के लिए अपने इन मित्रों की कोशिश देख द्रवित हो उठा। गला रुंध आया। आँखें डबडबा गई। बोला-बहुत-बहुत धन्यवाद मित्रों! तुम लोगों ने मेरी जान बचाई। इसका मुझ पर सदैव एक एहसान रहेगा। भंगी की सिसकियाँ जारी रही।

नहीं..नहीं..मित्र रोना नहीं। यह तो हमारा कर्तव्य है। इसमें एहसान की कोई बात नहीं। एक मित्र की मुसीबत में दूसरे मित्र का काम आने का ही नाम तो सच्ची मित्रता है भंगी के आँसू पोंछते हुए फिरतू बोला।

भऊ कहने लगा - आखिर तुम हमारे मित्र हो। तुम्हें ऐसी हालत में छोड़कर हम भला कैसे जा सकते थे।

हाँ मित्र, यह सही बात है , नायडू ने हामी भरी। फिर चारों मित्र एक-दूसरे का हाथ पकड़े घर की ओर चल पड़े।

इस उम्र में जरा संभल जाना

श्याम सुंदर साहू
राजिम
जिला गरियाबंद छत्तीसगढ़

इस उम्र में मन होता है चंचल
दिल में खूब उठती है हलचल
दिल से नही दिमाग से सोचना
अपने दिल को तुम समझाना
इस उम्र में जरा संभल जाना।
माता-पिता हो जाते हैं बेगाने
और दोस्त बन जाते हैं अपने
माता-पिता का सम्मान करना
इनका दिल कभी मत दुखाना
इस उम्र में जरा संभल जाना।
जीवन का तजुर्बा होता कच्चा
घूमना फिरना लगता है अच्छा
सही राह की ओर बढ़ते जाना
मन को तुम भटकने मत देना
इस उम्र में जरा संभल जाना।
गलत राह को कभी मत चुनना
नही तो बाद में पड़ेगा पछताना
सही गलत को तुम पहचानना
मंजिल की ओर कदम बढ़ाना
इस उम्र में जरा संभल जाना।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

पतझर में भी बहार होगा

अशोक पटेल आशु
,शिवरीनारायण छत्तीसगढ़

जिंदगी बड़ी हसीन होगी
जब साथ मेरा यार होगा
याराना भी गहरी होगी
जब मिलना बार-बार होगा।
जब तुम पास होगे
कितना सुखद अहसास होगा
सारे गम नादारद होंगे
और जीवन गुलजार होगा।
तेरे आने की आहट मेरे लिए
कुछ तो खास होगा
तेरा दीदार क्या होगा?
पतझर में भी बहार होगा।
तेरे साथ जब
बीतेगा वो लम्हा,लाजवाब होगा
सुनापन और तन्हा
मेरा ये जीवन शानदार होगा।
तुझ पर यक़ीन है
तुझ पर ही मेरा सच्चा प्यार है
ये यारी हल्की नही
जो नुमाईश सरे बाजार होगा।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा .....अम्बिकापुर न्यायालय..... के अधीन होगा।

वन परिक्षेत्र प्रतापपुर केवरा पी 17 जंगल में आग लगा कर कर दी जंगल साफ

जिसमें कई हजार छोटे बेशकीमती पौधे,व औषधि पौधे जलकर हुआ खाक,वन विभाग सो रही कुंभकरणीय नींद

- सोनू कश्यप -
प्रतापपुर,07 जून 2024
(घटती-घटना)।

प्रतापपुर वन परिक्षेत्र अंतर्गत पी 17 के जंगल ग्राम पंचायत केवरा के जंगलों में लगा दिए गया। षड्यंत्र के तहत भीषण आग जिससे कई हजार बड़े पेड़ों समेत प्लांट का छोटा छोटा पौधा जो पूर्व में बरसात के दिनों लगाया गया प्लांटेशन जलकर हुआ राख कई हजार पौधे हुए खाक लाखों करोड़ों खर्च करके विभाग द्वारा किया गया था। जंगल के प्लांट में पौधा-रोपन वन विभाग के कर्मचारी अधिकारी मौके पर नहीं करते मोनेट्रिंग वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी नहीं करते अपने बीटों का निरीक्षण।

हफ्तों पहले लगी आग आज तक नहीं भनक लगी वन विभाग को भनक पहुंचे जिससे उनके ऊपर कई सवाल खडा हो रहा है कि अभी तक हफ्ता हो गया आग लगे हुए लेकिन जंगल को आग लगाने वाले का ना किसी प्रकार से सुराग ना किसी को पकड़ सके।

ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधि ग्राम में वन विभाग के समिति अध्यक्ष सिर्फ नाम मात्र का बना रहता है जिससे इन सभी का जंगल में उतना ही भूमिका है जितना आग लगाने वाले का। ना किसी प्रकार से कोई खौफ,ना कोई डर,ना कोई जांच ना पड़ताल, सभी सो रहे हैं कुंभकरण की नींद। लगातार गांव के युवको लोगों द्वारा इसकी आवाज बुलंदी से उठाया जा रहा है लेकिन किसी का कोई सुनवाई नहीं हो रहा है। ऐसा लग रहा है कि वन विभाग अपनी काली करतूत को छुपाने के लिए खुद ही इस जंगल को आग की लपटों में झोंक दिया है। लाखों करोड़ों के नुकसान हुआ लेकिन वन विभाग को क्या,पैसा तो सरकार का है। जैसे पचाना है पचा लो। सिर्फ पैसों का बंदरबाट करना है और कुछ नहीं। कोई पूछने वाला ना कोई सुनने वाला है ना कोई मौके को देखने वाला जो की काफी दयनीय स्थिति में दिख रही है जहां लगातार इस भीषण गर्मी के वजह से जहां हजारों पेड़ जलकर हुआ स्वाहा हो गया।

जल स्तर जिससे पीने के लिए लोगों को भटकना पड़ सकता है दर-बदर जल संकट हमारा दैनिक जीवन में बढ़ सकता है। इसका असर हमारे ऊपर मंडरा रहा है आने वाले दिनो में बड़ा खतरा लगातार नीचे की ओर जा रहा है जलस्तर लेकिन वन विभाग द्वारा इतनी भी समझदारी नहीं है कि इतनी बड़ी घटना होने के बाद भी इनकी आंखें नहीं खुल रही है। हो सकता है कि स्थानीय लोगों द्वारा अतिक्रमण के करने के लिए भी लगा सकते हैं को जांच पश्चात पता चल जाएगा। दूध और पानी हो जायेगा अगर ऐसी स्थिति अगर निर्मित हर जगह होती रहे तो वह दिन दूर नहीं होगा जब गर्मी के दिनों में लोगों को घर में रहना भी दुभर हो जाएगा। पेड़ पौधे ही नहीं रहेंगे तो हमें ऑक्सीजन कहां से मिलेगा जीवन जीने के लिए कहां जायेंगे लेकिन किसी को इसका कोई परवाह नहीं है जिसका खामियाजा और अंजाम आगे आने वाले दिनों में सभी को भुगतना पड़ेगा । संबंधित ग्राम के जनप्रतिनिधि और ग्राम में बनाया वन समिति अध्यक्ष वन विभाग के ऊपर एफआईआर दर्ज होनी चाहिए क्योंकि इनके ऊपर कई सवालिया निशान खड़ा होता है कि अभी तक इसकी जांच क्यों नहीं हुआ। इतनी बड़ी लापरवाही किसी भी कीमत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

ग्रामीणों की माने तो वन विभाग के द्वारा हजारों पेड़ों का प्लांटेशन किया गया था जो सिर्फ कागजों में दर्ज हो गया। क्योंकि हजारों पेड़ों का प्लांटेशन इस क्षेत्र में वन विभाग के द्वारा केंद्र एवं राज्य सरकार के दिशा निर्देश पर बेशकीमती पेड़ लगाए गए थे। जो लगने के साथ कुछ दिनों बाद भ्रष्टाचार का भेंट चढ़ गया तथा कुछ पौधे पनप भी गए मगर सही तरीके से पौधारोपण नहीं होने के कारण कागजों में खाना पूर्ति किया गया । जहां बताया जाता है कि भारी मात्रा में पौधा लगाया गया था जिसमें कई अन्य प्रकार के भी पौधे उसमें पनप गए थे उसके बावजूद अचानक से आग लगना समझ से परे हैं। जिसमें कई प्रकार के पौधे जड़ी बूटी वाले भी थे। बताया जा रहा है कि वन विभाग की लापरवाही के कारण शुरू से ही यह पौधारोपण भ्रष्टाचार का भेद चढ़ गया था। अधिकारी-कर्मचारी अपने करतूत एवं भ्रष्टाचार खाना पूर्ति करते हुए पौधारोपण का नाम से लाखों रुपए डकार गए। इसी तरह से प्रतापपुर विकासखंड में कई स्थानों पर पौधारोपण किया गया है जो सिर्फ कागजों में ही गड्ढा और वृक्षों के नाम से शासन को चूना लगाते रहे हैं।

सबसे बड़ी लापरवाही तो यह है कि वन विभाग को अब तक इस विषय में कोई जानकारी ही नहीं है। ना इसकी भनक लगी है। जो जांच का विषय बनता है।

इस विषय में वन विभाग एसडीओ आशुतोष भगत ने कहा कि उक्त स्थान पर तत्काल मैं स्वयं जाऊंगा वन अमला के साथ और मामले की गंभीरता से जांच की जाएगी हजारों छोटे पौधे प्लांटेशन का जल जाना एवं उचित देखरेख नहीं करने पर तत्काल सख्त कार्यवाही हेतु जांच करते हुए दोषियों पर कार्यवाही की जाएगी।

निष्पक्ष जांच पश्चात हो सकता है बड़ा खुलासा स्थानीय लोगों द्वारा भी अवैध अतिक्रमण कर कब्जा करने के चलते उजाड़ दिए प्लांटेशन,,सैकड़ो हेक्टर में लगे पौधे आग से जलकर खाक।

प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन के साथ आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 जून 2024
(घटती-घटना)।

प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन के साथ गांधीनगर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 54 नग नशीले इंजेक्शन जब्त किया है। जिसकी कीमत 25 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार 6 जून को गांधीनगर पुलिस पेट्रोलिंग पर निकली थी। इस दौरान पुलिस को मुखबिर से जानकारी मिली की एक संदिग्ध व्यक्ति सुभाषनगर में बाइक से घुमकर नशीले इंजेक्शन रखकर ब्रिकी करने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर संदेही युवक को हिरासत में लेकर उसके पास रखे पिठू की तलाशी ली तो 54 नग प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन पाया गया। जिसे पुलिस ने जब्त किया है। जब्त नशीले इंजेक्शन की कीमत 25 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी रविपाल उम्र 20 वर्ष निवासी पंडोपारा जयनगर हाल मुकाम अमुल कॉलोनी सुभाषनगर थाना गांधीनगर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 22 (सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक अश्वनी सिंह, आरक्षक अतुल सिंह, उमाशंकर साहू, बृजेश राय, ऋषभ सिंह शामिल रहे।

बार-बार रोक-टोक करने से नाराज पुत्र ने टांगी से हमला कर ले ली पिता की जान

» उदयपुर थाना क्षेत्र की घटना, पुलिस ने आरोपी पुत्र को किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 जून 2024
(घटती-घटना)।

उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम दौलतपुर में पुत्र ने टांगी से हमला कर पिता को मौत के घाट उतार दिया था। मामले में पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार दशरत (56) उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम दौलतपुर का रहने वाला था। पत्नी की मौत के बाद वह एक बेटे के साथ जंगल किनारे घर बनाकर रहता था। 4 जून से उसके घर में ताला बंद था। गांव में भी नहीं दिखाई दे रहा था। 6 जून को दशरत का दूसरा बेटा रामसुन्दर पिता को देखने गया तो घर का ताला बंद था। और उसका भाई भी नहीं था।

घर के अंदर से बदबू आ रही थी। वह ताला तोडक़र देखा तो उसके पिता की लाश कंबल में लपेटा हुआ था। खाट के निचे खून गिरकर जम गया था। वह मामले की जानकारी उदयपुर पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच की। मृतक अपने एक बेटा ठाकुर राम के साथ गांव से अलग जंगल किनारे घर बनाकर रहता था। घटना के बाद से बेठा ठाकुर राम फरार था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पुलिस को बताया कि पिता किसी भी कार्य के लिए बार-बार रोक टोक करते थे। इसेस वह काफी नराज रहता था। घटना दिवस 4 जून की सुबह भी पिता ने किसी बात को लेकर डांट फटकार लगाया था। इस लिए वह गुस्से में आकर टांगी से हमला कर मौत के घाट उतार दिया था। पुलिस ने आरोपी पुत्र के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

पिता के शव को दफनाने के लिए खोदा गड्ढा

बेटा ने पिता की हत्या करने के बाद उसके शव को कंबल से ढक कर फरार हो गया था। दूसरे दिन वापस आकर शव को दफनाने के लिए घर के पिछे बाड़ी में गड्ढा खोदा। गड्ढा खोदने के बाद शव को दफनाने के लिए ले जाने क कोशिश की पर असमर्थ रहा। शव को दफनाने में सफल नहीं होने पर पुन- पिता की लाश को कंबल से ढंकर घर में ताला बंद कर फरार हो गया था।

मेंड्राकला सोसाइटी में किसानों को जबरन खाद और धान बीज का किया जा रहा था वितरण,विधायक ने लगाई रोक

- संवाददाता -
लखनपुर,07 जून 2024
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के मेंड्राकला सोसाइटी में संचालक के द्वारा किसानों को जबरन गोबर खाद यूरिया के साथ 10 अलग-अलग प्रजातियों के धान बीज वितरण किए जाने की शिकायत किसानों द्वारा भाजपा पदाधिकारी के माध्यम से विधायक राजेश अग्रवाल से की गई तत्काल विधायक राजेश अग्रवाल ने मामले को संज्ञान में लेते हुए फोन से संपर्क कर संबंधित विभाग के अधिकारियों को बताकर रोक लगाई गई। मिली जानकारी के मुताबिक 6 जून दिन शुक्रवार को मेंड्राकला सोसाइटी में खाद बीज लेने पहुंचे किसानों को सोसायटी संचालक के द्वारा जबरन गोबर खाद यूरिया के साथ 10 अलग-अलग प्रजाति के धान बीज का वितरण किया जा रहा था। क्षेत्र के छोटे किसान गोबर यूरिया खाद व अलग प्रजातियों के धान बीज लेने से मना कर रहे थे।जिसका विरोध किसानो द्वारा किया गया परंतु सोसायटी संचालक के द्वारा जबरन किसानों को गोबर खाद यूरिया और धान के अलग-अलग प्रजाति का वितरण किया जा रहा था किसानों ने इसकी शिकायत भाजपा पदाधिकारी के माध्यम से अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल से की अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल ने संज्ञान लेते हुए तत्काल संबंधित अधिकारी से फोन से संपर्क कर किसान के बिना मर्जी के गोबर खाद यूरिया और अलग-अलग प्रजाति के धान बीज देने मना किया। साथ ही उन्होंने कहा कि किसानों के ऊपर किसी भी प्रकार का दबाव गोबर खाद यूरिया व धान बीज लेने के लिए न बनाया जाय और सोसाइटी में किसानों को किसी भी प्रकार की समस्याओं का सामना न करना पड़े।

गांधीनगर,मणिपुर थाना प्रभारी सहित 6 निरीक्षक, 6 उप निरीक्षक व 2 सहायक निरीक्षकों का ट्रांसफर

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 जून 2024
(घटती-घटना)।

सरगुजा एसपी विजय अग्रवाल ने मणिपुर, गांधीनगर थाना प्रभारी सहित 6 निरीक्षक, 6 उप निरीक्षक व 2 सहायक निरीक्षकों ट्रांसफर किया है। मणिपुर थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप जायसवाल को तबादला करते हुए गांधीनगर थाना का प्रभार दिया गया है। वहीं गांधीनगर प्रभारी निरीक्षण अश्विनी सिंह को ट्रांसफर कर लखनपुर थाना का प्रभार दिया गया है। इस तरह निरीक्षक प्रदीप जॉन लकड़ा को रक्षित केन्द्र से थाना सीतापुर, निरीक्षक दुर्गेश्वरी चौबे को महिला थाना से थाना मणिपुर, निरीक्षक मनोज प्रजापति को लखनपुर थाना से थाना दरिमा, निरीक्षक भरत साहू को सीतापुर से रक्षित केन्द्र अंबिकापुर, उप निरीक्षक सेत राम गहिर को थाना दरिमा से थाना अंबिकापुर, रामनारायण पटेल को थाना सीतापुर से थाना धौरपुर, शिशिरकांत सिंह को रक्षित केन्द्र अंबिकापुर से थाना लुण्ड्रा, सम्पत पोटाई को थाना लुण्ड्रा से थाना उदयपुर, सुनीता भारद्वाज को थाना अंबिकापुर से महिला थाना परिवार परामर्श केन्द्र, रघुनाथ राम को रक्षित केन्द्र से थाना सीतापुर ट्रांसफर किया गया है। वहीं सहायक उप निरीक्षक चंद्रप्रताप ड्क्षसह को रक्षति केन्द्र से चौकी रघुनाथपुर व संजय गुप्ता को रक्षित केन्द्र से थाना बतौली ट्रांसफर किया गया है।

प्रत्येक वर्ष समाज की 11 युवतियों के विवाह में सहयोग करेगा शौण्डिक समाज

» शौण्डिक/सुंडी समाज का सम्मेलन 9 जून को राजमोहिनी देवी भवन में

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 जून 2024
(घटती-घटना)।

शौण्डिक/सुंडी समाज का सम्मेलन 9 जून को राजमोहिनी देवी भवन में पर्यावरण की रक्षा हेतु वृक्षारोपण, जल है तो जीवन है, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, करें योग रहें निरोग का संदेश देते हुए प्रारंभ होगा। सम्मेलन समाज व संगठन की मजबूती के साथ ही सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक क्षेत्रों में विभिन्न भूमिकाओं के निर्वहन तथा समाज व देशहित में कार्य करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। समाज के अध्यक्ष बिजेन्द्र गुप्ता ने शहर के एक होटल में पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि सम्मेलन में समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं, समाज के गौरव और वरिष्ठ लोगों को सम्मानित किया जाएगा। सम्मेलन में छत्तीसगढ़ प्रदेश के सरगुजा, सूरजपुर,

बलरामपुर, मनेन्द्रगढ़, कोरिया, जशपुर, बिलासपुर, रायपुर, धमतरी, कांकेर, जगदलपुर, दुर्ग सहित पड़ोसी जिला झारखण्ड के गढ़वा, लातेहार, गुमला एवं बिहार के लोगों की भी उपस्थिति रहेगी। शौंडिक समाज के उपाध्यक्ष व कार्यक्रम प्रभारी विजय गुप्ता ने बताया कि यह सम्मेलन नशा मुक्ति अभियान, सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन, महिलाओं एवं युवाओं के सर्वांगीण विकास, प्रत्येक वर्ष समाज की 11 युवतियों के विवाह में सहयोग, समाज के कमजोर वर्गों का उत्थान जैसे एजेण्डे पर आधारित होगा। इस अवसर पर शौण्डिक/सुंडी समाज के मोनो और झण्डा का भी विमोचन किया जाना है। सम्मेलन में असमय मृत्यु भोज पर सुझाव, मृत्यु पश्चात चंदनपान में वस्त्रदान के स्थान पर नगद प्रदान करने, विवाह के अवसर पर मांस एवं मदिरा का पूर्ण प्रतिबंध एवं विवाह तथा अन्य अवसरों पर अन्न का दुरूपयोग नहीं करने का आग्रह किया जाएगा। इस दौरान समाज के संरक्षक छक्कन लाल गुप्ता, दुर्गा प्रसाद गुप्ता, रवि भूषण गुप्ता, मनोज प्रसाद, श्याम गुप्ता, विकास गुप्ता, आनन्द गुप्ता सहित अन्य उपस्थित थे।

सहायक ग्रेड-3 आनंद सिंह यादव निलंबित

अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल के सहायक ग्रेड-3 आनंद सिंह यादव पर लगे मेडिकल बिल पास करने में रुपए लेन देन के आरोप के मामले में मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा निलंबित कर दिया गया है। 3 अप्रैल को राज्य स्तरीय जांच समिति द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेन में आनंद सिंह यादव सहायक ग्रेड3 शाख प्रभारी चिकित्सा प्रतिपूर्ति कार्यालय सिविल सर्जिन संबद्ध चिकित्सा महाविद्यालय द्वारा चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिल पास करने के एवज में राशि का लेन-देन किया जाना प्रमाणित हुआ था। जांच समिति के प्रतिवेदन के आधार पर कार्रवाई करते हुए मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी ने आनंद सिंह यादव सहायक ग्रेड-3 को निलंबित करते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सीतापुर अटैच कर दिया गया है।

वोल्खोव नदी में डूबे चार भारतीय छात्र,वीडियो कॉल में परिवार वालों ने देखा अपने बेटे के मौत का मंजर

मॉस्को,07 जून 2024। रूस की वोल्खोव नदी में चार भारतीय मेडिकल छात्रों के डूबने से मौत हो गई। ये सभी छात्र एरोस्लाव-द-वाइज नोवगोरोड स्टेट यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करते थें। मृतकों में से एक की पहचान जिशान अशपाक पिंजरी के तौर पर की गई है, जो घटना के दौरान वीडियो कॉल पर अपने घरवालों से बात कर रहा था। मृतक के परिवार वालों ने इसकी जानकारी दी। मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट किया। पोस्ट में उन्होंने कहा कि जिस छात्रा की जान बच गई है, उसे उचित उपचार भी मुहैया कराया जा रहा है।

बाकी के तीन छात्रों की पहचान हर्षल अनंतराव देसाले, जिया फिरोज पिंजारी और मलिक गुलामगौस मोहम्मद याकूब के तौर पर की गई है। ये सभी नदी के पास घूम रहे थे और अचानक से पानी के अंदर चले गए। उनके अलावा एक अन्य छात्रा निशा भुपेश सोनावणे इस हादसे में बच गई। फिलहाल वह डॉक्टरों की निगरानी में है।

शवों को लाया जा रहा भारत

महाराष्ट्र में जलगांव के जिला कलेक्टर आयुश प्रसाद ने बताया कि शवों को भारत वापस लाने की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा, एक छात्र का शव बरामद किया गया है। तीन अन्य छात्रों की तलाश जारी है। हमने विदेश मंत्रालय की मदद के लिए रूस में भारतीय दूतावास और पीटर्सबर्ग में महावाणिज्य दूतावास के संपर्क में हैं। वे परिवार के लिए सहयोगी रहे हैं। जिस छात्र की जान बच गई, उसके लिए बेस्ट मेडिकल सुविधा का इंतजाम किया गया। हम उम्मीद कर रहे हैं कि शवों को अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल के अनुसार भारत वापस भेजा जाएगा।

बता दें कि जिशान और जिया भाई-बहन हैं और वे जलगांव के अमलनेर के रहने वाले हैं। उनके परिवार वालों ने कहा, जिशान जब वोल्खोव नदी के पास पहुंचा, तब उसने परिवार को वीडियो कॉल किया। उसके पिता और परिवार के अन्य सदस्य सभी को नदी से दूर जाने के लिए कह रहे थे, तभी एक तेज लहर उठी और सभी उसमें बह गए।

यूनिवर्सिटी ने जताया शोक

एरोस्लाव-द-वाइज नोवगोरोड स्टेट यूनिवर्सिटी ने इस घटना पर दुख व्यक्त की। यूनिवर्सिटी के एक अधिकारी ने कहा, शाम के समय सभी छात्र नदी के पास टहल रहे थे। यह हादसा अविश्वसनीय है। निशा भुपेश सोनावणे सुरक्षित हैं और वह फिलहाल डॉक्टरों की निगरानी में हैं। छात्रों के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है। यूनिवर्सिटी ने भारतीय दूतावास से छात्रों के शव को उनके परिजनों तक पहुंचाने का अनुरोध किया।

रूसी मीडिया ने बताया कि नदी के पास एक छात्रा मुसीबत में फंस गई थी। तीन छात्र उसकी मदद करने गए, लेकिन वे नदी में डूब गए। सेंट पीटर्सबर्ग में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने बताया कि ये सभी छात्र यूनिवर्सिटी में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे थे।

गाजा में नुसेरात शरणार्थी शिविर के मेयर की इजरायली हमले में मौत

गाजा,07 जून 2024। मध्य गाजा के नुसेरात शरणार्थी शिविर के फिलिस्तीनी मेयर इयाद अल-मुगारी की इजरायली हवाई हमले में मौत हो गई है। फिलिस्तीनी चिकित्सा और सुरक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी है।

सत्रों ने फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों के हवाले से बताया कि गुरुवार को शिविर में एक इमारत को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हमले में मेयर और उनके परिवार के कई सदस्यों की मौत हो गई।

सूत्रों ने बताया कि अल-मुगरी के शव को मध्य गाजा के डेर अल-बलाह शहर के अल-अक्सा अस्पताल में भेज दिया गया। हमास आंदोलन के कार्यकर्ताओं में से एक अल-मुगरी को सर्वसम्मति से मेयर नियुक्त किया गया था। इससे एक दिन पहले, नियर ईस्ट में फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी से संबद्ध एक स्कूल पर इजरायली हमले में लगभग 35 फिलिस्तीनी मारे गये थे। उस स्कूल में नुसेरात शिविर के विस्थापित लोगों ने शरण ली हुई थी।

इजरायल ने दावा किया है कि हमास और इस्लामिक जिहाद के आतंकवादी स्कूल के अंदर घुस गए थे। हमले में यह ध्यान रखा गया कि आम लोगों को कम से कम नुकसान हो।

बोइंग स्टारलाइनर के उड़ान भरते ही आई थी समस्या

सुनीता और विल्मोर ने दिखाई जाबांजी और पाई सफलता

ह्यूस्टन,07 जून 2024। नासा की भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके सहयोगी बुच विल्मोर ने बोइंग के स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान को सफलतापूर्वक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से जोड़ दिया। हालांकि, अंतरिक्ष यान की परिक्रमा कर रहे प्रयोगशाला तक पहुंचने के दौरान रास्ते में आई कुछ नई समस्याओं को दूर करने के बाद यह संभव हो सका।

तीसरी बार भरी उड़ान

58 साल की सुनीता विलियम्स ने बुधवार को अंतरिक्ष के लिए उड़ान भरी थी। वह तीसरी बार अंतरिक्ष के लिए रवाना हुई हैं। इस उड़ान के साथ ही दोनों ने बोइंग कंपनी के स्टारलाइनर यान से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन जाने वाले पहले सदस्य बनकर इतिहास रच दिया। इतना ही नहीं, विलियम्स उड़ान परीक्षण के लिए पायलट हैं जबकि 61 वर्षीय विल्मोर मिशन के कमांडर हैं।

मैं यहां बहुत खुश हूं: विलियम्स

विलियम्स ने परिवार और दोस्तों के प्रति आभार व्यक्त किया, जो लॉन्च के दौरान उनके साथ रहे। उन्होंने कहा, हमारे पास यहां एक और परिवार है, जो बहुत बढ़िया है। मैं बहुत खुश हूं, जितना मैं अंतरिक्ष पर खुश हो सकती हूं। इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता।

हमारी टीमों ने बहुत अच्छा काम किया

बोइंग डिफेंस स्पेस एंड सिक्योरिटी के स्पेस,इंटेलिजेंस और वेपन सिस्टम के उपाध्यक्ष और महाप्रबंधक के सियर्स ने कहा, नासा के लिए अंतरिक्ष स्टेशन से आने-जाने के लिए चालक दल के परिवहन सेवाओं का संचालन करने में सक्षम वाणिज्यिक अंतरिक्ष यान के बेड़े में शामिल होना आश्चर्यजनक दोनों है। हमें इस मुकाम तक पहुंचाने के लिए हमारी टीमों ने बहुत अच्छा काम किया है।

करीब दो घंटे की ऑटो उड़ान के दौरान कुछ ऐसा किया

बता दें,बोइंग के स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान पर सवार होकर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के रास्ते में अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके सहयोगी बुच विल्मोर ने उड़ान क्षमता (मैनुअल पायलटिंग) का परीक्षण भी किया। दोनों ने अंतरिक्ष यान के सदस्यों के तौर पर अपने हाथों में इसका नियंत्रण लेकर इतिहास रच दिया। ऐसा करने वाली सुनीता पहली महिला बन गई हैं। ऐसा करने वाली सुनीता पहली महिला बन गई हैं। यद्यपि अंतरिक्ष यान आमतौर पर ऑटो होता है, लेकिन चालक दल ने करीब दो घंटे की ऑटो उड़ान के दौरान यान को खुद से नियंत्रण में लिया। उन्होंने स्टारलाइनर को पृथ्वी की ओर किया ताकि सेवा मॉड्यूल के पीछे इसका संचार एंटीना ट्रैकिंग और डाटा रिले उपग्रहों की ओर हो सके। इसके बाद उन्होंने यान को इस तरह से घुमाया कि उसका सूर्य की ओर घुमाव हो ताकि जरूरत पड़ने पर वे आंतरिक बैटरी को चार्ज कर सकें।

26 घंटे बाद मिली सफलता

नासा ने नई अपडेट जारी करते हुए बताया कि रिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से लॉन्च होने के लगभग 26 घंटे बाद गुरुवार को एक बजकर 34 मिनट पर बोइंग अंतरिक्ष यान को सफलतापूर्वक आईएसएस में उतारा।

पीएम जनमन योजना अंतर्गत विशेष पिछड़ी जनजाति क्षेत्रों में लगाया जा रहा स्वास्थ्य शिविर

- संवाददाता -
बलरामपुर,07 जून 2024 (घटती-घटना)।

प्रधानमंत्री जनमन योजना अंतर्गत विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए सामाजिक, आर्थिक स्थति में सुधार करने हेतु विभिन्न गतिविधियां क्रियान्वित की जा रही हैं। कलेक्टर श्री रिमिजियुस एक्का के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रेना जमील के मार्गदर्शन में जिले में विशेष पिछड़ी जनजाति परिवार के लोगों को लाभान्वित करने प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत प्राथमिकता से कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में जिले के पहाड़ी कोरवा क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। जिले में पीएम-जनमन कार्यक्रम अंतर्गत मोबाइल मेडिकल यूनिट के द्वारा विशेष जनजाति समूह निवासरत विकासखण्डों में चार एम.एम.यू. निरंतर स्वास्थ्य देखरेख हेतु प्रदाय किये गये हैं। शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण के रूप में बीपी, शुगर, आंख, खून की जांच कर आवश्यक परामर्श एवं निःशुल्क दवाइयां भी प्रदान की जा रही है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बसंत सिंह ने बताया कि जिले के चार विकासखण्ड बलरामपुर, राजपुर, शंकरगढ़ एवं कुसमी में विशेष जनजाति समूह के निरंतर स्वास्थ्य जांच हेतु चार एम.एम.यू. पीएम-जनमन हेतु प्राप्त हुए हैं। इसके अंतर्गत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, सिकलसेल जांच, राष्ट्रीय टी.बी. उन्मूलन कार्यक्रम तथा डायलिसिस की सेवाएं भी दी जा रहीं हैं। जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री स्मृति एक्का ने बताया कि पीएम-जनमन कार्यक्रम अंतर्गत अब तक कुल-530 विशेष जनजाति समूह के निवासरत क्षेत्र में एमएमयू के माध्यम से शिविर का आयोजन किया गया है। जिसमें अब तक कुल 4525 हितग्राही लाभान्वित हुए हैं।

ग्रामीण इलाकों में मासिक धर्म स्वच्छता को लेकर जागरूकता बढ़ा रहा अदाणी फाउंडेशन

- संवाददाता -
सरगुजा,07 जून 2024 (घटती-घटना)।

ग्रामीण महिलाओं के स्वास्थ्य व आजीविका के लिए सतत प्रयासरत अदाणी फाउंडेशन ने परसा ईस्ट कांता बासन कोयला परियोजना के अंतर्गत आने वाले परसा, साल्ही, बासेन, घाटबर्रा, फत्तेहपुर, जनार्दनपुर, तारा और शिवनगर गांवों में मासिक धर्म स्वच्छता दिवस मनाया। इस पहल का उद्देश्य मासिक धर्म के बारे में जागरूकता बढ़ाना, मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन के महत्व को रेखांकित करना और मासिक धर्म से जुड़ी गलत अवधारणाओं को खत्म करना था। इस कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाओं, मब्स कार्यकर्ताओं और अदाणी फाउंडेशन की सीएसआर टीम के सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान, 200 से अधिक महिलाओं को मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में जानकारी दी गई और उन्हें मासिक धर्म स्वच्छता उत्पादों जैसे सैनिटरी पैड आदि का वितरण किया गया। अदाणी फाउंडेशन के कार्यक्रम प्रबंधक उमेन्द्र साहू ने कहा, ÷महिलाओं के स्वास्थ्य और स्वच्छता को प्राथमिकता देना फाउंडेशन के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। मासिक धर्म स्वच्छता दिवस मनाने के साथ, हम ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को जागरूक करने और उन्हें मासिक धर्म स्वच्छता उत्पादों तक पहुंच प्रदान करने का प्रयास करते हैं। यह उन्हें स्वास्थ्यप्रद और गरिमामय जीवन जीने में सक्षम बनाता है।

कार्यक्रम में मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता बनाए रखने का महत्व, मासिक धर्म से जुड़े मिथकों और गलत सूचनाओं को दूर करना, सेनेटरी नैपकिन और उनके उपयोग के बारे में जागरूकता, मासिक धर्म के दौरान पौष्टिक आहार और स्वच्छता बनाए रखने जैसे विषयों को शामिल किया गया।

अदाणी फाउंडेशन का यह मानना है कि मासिक धर्म स्वच्छता एक मौलिक अधिकार है और हर महिला को मासिक धर्म प्रबंधन के लिए आवश्यक ज्ञान और उत्पादों तक पहुंच प्राप्त होनी चाहिए। अदाणी फाउंडेशन ग्रामीण समुदायों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना और मासिक धर्म स्वच्छता को बढ़ावा देना जारी रखेगा।

अदाणी फाउंडेशन द्वारा अपनी सामुदायिक सहभागिता को ध्यान में रखते हुए परियोजना स्थल के नजदीकी ग्रामों में सामाजिक सहभागिता के अंतर्गत शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के क्षेत्र में सुधार के लिए के लिए कई कार्यक्रम चला रहा है।

विभिन्न लंबित समस्याओं को लेकर ग्रामीणों ने कटकोना में सांकेतिक अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन

» तहसीलदार नीरज कौशिक सहित प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंच समस्या के समाधान का दिया आश्वासन

- संवाददाता -
लखनपुर,07 जून 2024 (घटती-घटना)।

लखनपुर विकासखंड क्षेत्र के एकमात्र कोयला एसईसीएल अमेरा के आसपास ग्राम पंचायत कटकोना परसोडीकला तथा पूहपुटरा क्षेत्र में कई वर्षों से कई समस्या है जिसकी जानकारी प्रशासनिक स्तर एवं एसईसीएल प्रशासन को दिए जाने के पश्चात आज तक एक ही भी समस्या का समाधान नहीं होने के कारण पूर्व जनपद सदस्य धर्मेंद्र झारिया के नेतृत्व में एकदिवसीय अनिश्चितकालीन सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया गया जिसकी जानकारी प्रशासनिक अधिकारियों को होने के पश्चात तत्काल मौके पर प्रभारी तहसीलदार नीरज कौशिक एवं थाना प्रभारी मनोज प्रजापति सहित राजस्व एवं पुलिस प्रशासन की टीम धरना स्थल पर उपस्थित होकर के उनकी सारी समस्याएं सुन और समस्या समाधान किए जाने का आश्वासन दिए जाने के साथ ही ग्रामीणों को समझाइस देकर हड़ताल समाप्त कराया गया। जानकारी के मुताबिक कटकोना परसोडीकला में जिन किसानों का खेत एवं गांव का शासकीय तालाब एसईसीएल अमेरा खदान से लगा हुआ है जिसे एसईसीएल द्वारा सटाकर खुदाई कराई गई है जिसमें किसानों के खेत का मेड खदान की ओर टूटने से किसानों को काफी नुकसान हो रहा है वहीं पूर्व में भी एसईसीएल के द्वारा पानी निकासी के लिए जो नाली बनाया गया था उसमें परसोडी कला के लगभग 10 किसानों का खेत का नुकसान भी हुआ था वहीं पूर्व में एसईसीएल के द्वारा कटकोना पूहपुटरा अमेरा खदान से आने वाली बरसात का पानी जिसके निकासी के लिए जो नाली बनाया गया था उसे कटकोना के लगभग 10 किसानों के खेत में हर वर्ष पानी भर जाने के कारण किसानों का लगातार फसल खराब हो जाता है पूर्व में भी 2013 से लेकर के 2015 तक 2 वर्ष का फसल नुकसान हुआ था जिसे पूर्व में मुआवजा दिए जाने हेतु बात कही गई थी लेकिन 2015 से आज तक प्रभावित किसानों का मुआवजा वितरण नहीं किया गया साथ ही खदान में कोयला निकालने एवं पत्थर तोड़ने के लिए विस्फोटक सामग्री का जो उपयोग किया जाता है जिसमें कटकोना परसोडीकला के ग्रामीणों के घरों का भी भारी नुकसान हो रहा है वही खदान प्रभावित क्षेत्र के गांव तक जाने हेतु रोड का बदहाली की समस्या इन सभी समस्याओं को लेकर के पूर्व में भी जिला कलेक्टर सहित खदान प्रबंधन को ज्ञापन सौपा गया तथा एक निश्चित अवधि के भीतर समस्या समाधान करने की बात कही गई थी लेकिन यहां मात्र आश्वासन देकर के छोड़ दिया गया है यहां किसी भी समस्या का समाधान आज पर्यंत नहीं होने के कारण क्षेत्र के लोगों को काफी नुकसान हो रहा है जिसे लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है वहीं ग्रामीणों के द्वारा कहा गया कि इस क्षेत्र में खदान खुलने से आसपास के कई ऐसी सुविधा उपलब्ध कराया जाना था जिसका आज पर्यन्त तक सुविधा उपलब्ध नहीं कराया गया इन सभी समस्याओं एवं मांगों को देखते हुए किसी भी समस्या का समाधान एसईसीएल प्रबंधन एवं प्रशासन के द्वारा नहीं किए जाने के कारण अब 7 जून को शांतिपूर्वक अमेरा खदान (ट्रांसपोर्टिंग सहित) बंद करते हुए अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे थे।

अनिश्चितकालीन हड़ताल की जानकारी मिलने के पश्चात् प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा प्रदर्शन कारियो के बीच जाकर के उन्हें उनकी समस्या समाधान किए जाने हेतु आश्वासन दिए जाने के पश्चात् हड़ताल वर्तमान के लिए समाप्त करने की बात कही है वही ग्रामीणों ने कहा कि यदि हमारी समस्या निर्धारित समय अवधि की भीतर समस्या समाधान नहीं होता है तो अनिश्चितकालीन हड़ताल के लिए अमेरा खदान बंद ट्रांसपोर्टिंग बंद कर हड़ताल करेंगे जिसकी सारी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

नवीन कानूनों के क्रियान्वयन के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का समापन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 जून 2024 (घटती-घटना)।

नवीन कानूनों के क्रियान्वयन के लिए 6 जून को पुलिस को-ऑर्डिनेशन सेंटर में 2 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का समापन 7 जून को आईजी अंकित गर्ग उपस्थिति में हुई। इस दौरान आईजी ने कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए कहा कि आगामी महीने से नवीन कानून को रेंज सहित समस्त जिले में लागू किया जाना है। उक्त कानूनों के परिपालन में पुलिस अधिकारी, कर्मचारियों को तकनिकी रूप से दक्ष करने एवं कार्यकुशलता को बढ़ाने समय-समय पर नये कानून सम्बन्धी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। दो दिवसीय कार्यशाला में फोटो, वीडियोग्राफी के तकनिकी एवं कानूनी पहलू की जानकारी दी गई है। आप सभी को नवीन कानून की दिशा में फोटो, वीडियोग्राफी का ज्ञान कराने के उद्देश्य से उक्त प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया था। प्रशिक्षण कार्यक्रम में फॉरेंसिक टीम, विधिक विशेषज्ञों एवं फोटो,वीडियोग्राफी के विशेषज्ञों की देखरेख में कार्यशाला संचालित हुई है। पुलिस की बेहतर फोटो, वीडियोग्राफी कई निराधार सवालों को स्वमेव की खारिज कर देते हैं। एसपी विजय अग्रवाल ने कहा कि दो दिवसीय फोटो, वीडियोग्राफी से प्रशिक्षण शिविर से आपके ज्ञान में एक नई तकनीक का समावेश हुआ है। अच्छी फोटो/वीडियोग्राफी से घटनास्थल के दूर रहकर भी सम्पूर्ण परिदृश्य को आसानी से समझा जा सकता है। तकनिकी विशेषज्ञों द्वारा आप सभी को कैमरा हैंडलिंग की कई तकनीक बताई गई है। समय-समय पर अपने जिलों में अभ्यास करते रहें और नवीन कानून के क्रियान्वयन की दिशा में अपना योगदान देने निर्देशित किया गया।

एएसपी अमोलक सिंह ढिल्लों, नगर पुलिस अधीक्षक रोहित कुमार शाह, एवं फॉरेंसिक विशेषज्ञ डॉ एसके सिंह द्वारा नवीन कानूनों के सम्बन्ध में पुलिस अधिकारियों कर्मचारियों को फोटो, वीडियोग्राफी से सम्बंधित जानकारी दी गई।

तहसीलदार ने छिन्दिया जमीन मामले में सरपंच सहित ग्रामवासियों के आवेदन पर दिया स्थगन

यथा स्थिति कायम करते हुए निर्माण पर प्रतिबंध लगाने दिया निर्देश

- सुरजपुर निवासी अमन मित्तल जमीन पर करा रहा है निर्माण,जमीन के आसपास की शासकीय भूमि पर भी कर रहा है अतिक्रमण शिकायत में था उल्लेख
- छोटे झाड़ जंगल मद की भूमि का गलत तरीके से हुआ है बिक्री नामा,यह भी लगाया गया है आरोप
- जमीन पर राइस मिल लगाने की है अमन मित्तल की योजना,राइस मिल के लिए खरीदी है उसने जमीन
- राजस्व निरीक्षक के जांच प्रतिवेदन के आधार पर तहसीलदार ने दिया है स्थगन,हरे भरे पेड़ों की कटाई की भी बात का प्रतिवेदन में है उल्लेख
- हरे भरे पेड़ काटने के लिए क्या अमन मित्तल ने ली है अनुमति,यह भी मामले में है सवाल?
- इसी मामले में ग्रामवासियों का साथ देने के मामले में सुरजपुर निवासी बजरंग अग्रवाल ने जनपद उपाध्यक्ष पति को दी है धमकी

शासकीय जमीन पर है राइस मील बनाने वाले की नजर

छिन्दीया जमीन मामले में राइस मिल स्थापित करने की चाह रखने वाले की शासकीय भूमि पर नजर है।बता दें की जिस खसरा नंबर की भूमि को सूरजपुर के व्यापारी ने खरीदा है उसके आसपास शासकीय भूमि भी खाली पड़ी है और जो ग्राम के लिए उपयोगी साबित हो सकती है लेकिन उसपर जमीन क्रय करने वाले की नजर है। शासकीय भूमि पर भी वह कब्जा कर रहा है यह जांच में भी समाने आ चुका है। जमीन क्रय करने वाले ने जमीन इसीलिए क्रय किया है की वह आसपास की खाली पड़ी बेशकीमती शासकीय भूमि पर कब्जा कर सके ऐसा बताया जा रहा है।

पटना क्षेत्र में खुल रहा राइस मिल राइस मिल खोलने वाले पड़ोसी जिले के

पटना क्षेत्र में लगातार राइस मिल खुल रहे हैं। राइस मिल भी सूरजपुर जिले के लोग खोल रहे हैं। सुरजपुर जिले के लोग ही ज्यादा राइस मिल क्यों खोल रहे हैं यह बड़ा सवाल है। बता दें की केवल पटना क्षेत्र में ही विगत वर्षों में कई राइस मिल प्रोजेक्ट या तो खुल चुके हैं या उनका कार्य प्रगति पर है। अधिकांश पड़ोसी जिले के लोगों के हैं यह आश्चर्य की बात है।

क्या पटना क्षेत्र में कोई भी सक्षम नहीं राइस मिल खोलने के लिए इसलिए पड़ोसी जिले के व्यापारी हो रहे हावी ?-

पटना क्षेत्र में लगातार खुल रहे राइस मिल पड़ोसी जिले के व्यापारियों के हैं। पड़ोसी जिले के व्यापारियों के अलावा पटना क्षेत्र के व्यापारियों का राइस मिल लगाने में रुचि नजर नही आ रहा है। क्या पटना क्षेत्र में राइस मिल लगाने की क्षमता किसी व्यापारी में नहीं है यह भी एक सवाल है। पटना क्षेत्र में धान की खरीदी बंपर होती है और पैदावार भी ज्यादा है और इसलिए भी पड़ोसी जिले के लोग पटना क्षेत्र में राइस मिल खोल रहे हैं यह माना जा रहा है।

क्या राइस मिल में है ज्यादा कमाई इस वजह से राइस मिल बनाने की प्रतिस्पर्धा शुरू

राइस मिल में आखिर कितनी कमाई है क्या कमाई ज्यादा है इसलिए इस व्यापार में प्रतिस्पर्धा शुरू होती नजर आ रही है ऐसा माना जायेगा। बता दें की हाल फिलहाल में राइस मिल खोलने में होड़ सी नजर आ रही है और लगातार राइस मिल खुल रहे हैं।

क्या सब्सिडी के चक्कर में आ गई राइस मिलरों की बाढ़?

- क्या राइस मिल खोलने के पीछे का कारण राइस मिल खोले जाने पर मिलने वाली छूट है। बताया जाता है की राइस मिल उद्योग के अंतर्गत फिलहाल आता है और जिसके लिए शासन छूट प्रदान करती है ऋण पर इसीलिए राइस मिल खोले जाने की होड़ लगी हुई है। वैसे बताया जा रहा है की जल्द ही छुट शासन बंद करने वाली है और इसलिए भी जल्द से जल्द राइस मिल खोलने की होड़ नजर आ रही है।

-रवि सिंह-
कोरिया,07 जून 2024
(घटती-घटना)।

छिन्दिया जमीन मामले में पटना तहसीलदार ने आखिरकार ग्रामवासियों और सरपंच के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर राजस्व निरीक्षक से जांच कराकर निर्माण पर रोक लगाने और यथास्थिति बनाए रखने का आदेश जारी कर दिया और मामले में सरपंच के आवेदन पर स्थगन जारी कर दिया। बता दें कि छिन्दिया ग्राम की जमीन जिसका खसरा क्रमांक 467,468 है जो पूर्व में मोहेलाल राजवाड़े के नाम पर राजस्व अभिलेखों में दर्ज है एवं जिसे उसने हाल ही में अमन मित्तल पिता बजरंग अग्रवाल निवासी सूरजपुर को बेचा है और जिस पर वह निर्माण कार्य करा रहा है और बताया जा रहा है कि राइस मिल खोलने के लिए जमीन क्रय की गई है। वहीं इसीलिए

कौन है बजरंग नाम का गुंडा जो जनपद उपाध्यक्ष पति को कब्ज जीने नहीं दूंगा,चाहे तैयार कर लिए हैं,जान से मारने की धमकी का आरोप लगा दिया हूं, ताकत हो तो रोक लेना?

निर्माण कार्य जारी है। जमीन के आसपास शासकीय भूमि भी है जिसपर अमन मित्तल द्वारा कब्जा किया जा रहा है और जमीन छोटे झाड़ मद की भूमि है और जिसकी खरीदी बिक्री नहीं की जा सकती। बावजूद खरीदी बिक्री हुई है यह भी ग्रामीणों सहित सरपंच ने आरोप लगाया था और जमीन का नामांतरण रोके जाने का आवेदन प्रस्तुत किया था। मामले में जनपद उपाध्यक्ष बैकुंठपुर भी ग्रामवासियों के पक्ष में सामने आई थीं जिसके बाद अमन मित्तल के पिता ने जनपद उपाध्यक्ष के पति को फोन पर धमकी दी थी और जीने नहीं दूंगा यह उसने धमकी दी थी। बता दें की मामले में तहसीलदार पटना ने राजस्व निरीक्षक की टीम को जांच का जिम्मा प्रदान किया और जांच टीम के प्रतिवेदन के आधार पर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश पटना तहसीलदार ने जारी कर दिया है और जारी निर्माण पर रोक लगाने का भी निर्देश जारी किया है जिसकी सूचना सरपंच को भी भेज दिया गया है। जांच दल को लगाए गए आरोपों में से कई आरोप सही मिले जांच के दौरान वहीं जांच दल को कई हरे पेड़ भी कटे हुए मिले जिसे निर्माण कार्य के दौरान काटा गया है और वहीं रखा गया है। जमीन के आसपास की शासकीय भूमि पर अतिक्रमण वहीं हरे-भरे पेड़ किसके निर्देश पर अमन मित्तल द्वारा किया जा रहा था। पेड़ काटा जा रहा था यह भी सवाल खड़ा हो रहा है। वहीं यह भी सवाल है की क्या पेड़ काटने के लिए अनुमति ली गई है कि बिना अनुमति ही पेड़ काट दिया गया है। यदि ऐसा है तो क्या वन पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत कार्यवाही होगी यह भी एक प्रश्न है। वैसे यह वही जमीन मामला है जिस जमीन के आसपास के शासकीय भूमि पर अतिक्रमण का भूमि क्रेता पर आरोप लगा था और सरपंच ग्राम वासी सहित जनपद उपाध्यक्ष ने जहां जाकर ऐसा न करने भूमि क्रेता को मना किया था वहीं जिसके बाद क्रेता के पिता ने जनपद उपाध्यक्ष के पति को फोन पर धमकी दी थी और जीने नहीं दूंगा जैसी बातों से उन्हे डराने का काम किया था साथ ही लड़ाई लंबी चलेगी मंत्री विधायक का भी उसने नाम लेकर उनका भी भय दिखाया था और जिसके बाद जनपद उपाध्यक्ष पति ने पटना पुलिस को लिखित शिकायत की थी। अब जब मामले में यथा स्थिति का निर्देश जारी हो गया है तो यह स्पष्ट हो गया की ग्रामवासियों का सरपंच का आरोप सही था।

पिस्ता इन के संचालक दादागिरी के साथ कर रहे अवैध निर्माण

तहसीलदार से हुई शिकायत

-रवि सिंह-
कोरिया,07 जून 2024
(घटती-घटना)।

पर्यटन विभाग के पटना में स्थित मोटल को कांग्रेस सरकार में एक व्यक्ति द्वारा लीज पर ले लिया गया है और दादागिरी के साथ उसमें अवैध निर्माण किया जा रहा है कई बार इसकी शिकायत हुई पर आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई जिस वजह से उसका मनोबल इतना बढ़ चुका है की लगातार वह नियम विरुद्ध तरीके से पर्यटन विभाग द्वारा बनाए गए मोटल को अपनी संपत्ति समझ कर लगातार अवैध निर्माण करने पर आतुर है जिसे लेकर ग्रामीणों ने एक बार फिर पटना तहसीलदार को शिकायत की है।

शिकायतकर्ता ने शिकायत में लिखा है कि कटनी, गुमला राष्ट्रीय राजमार्ग पर पटना स्थित पर्यटन विभाग के मोटल पिस्ता इन के संचालक द्वारा अवैध निर्माण कार्य कराया जा रहा है उस पर रोक लगाये जाना जरूरी है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु पर्यटन विभाग द्वारा वर्ष 2010 के आस पास मोटल का निर्माण कार्य कराया गया था जिससे पटना क्षेत्र के ग्रामीण जनो द्वारा शादी ब्याह, जन्मोत्सव तथा सामुदायिक तथा छत्तीसगढ़ शासन द्वारा निर्वाचन सुराज जन समस्या निवारण शिविर जैसे सामुदायिक कार्यक्रम के लिए वर्षों से उपयोग किया जाता रहा है। वर्ष 2023 में पर्यटन विभाग द्वारा समुचित देख रेख न होने से विभाग द्वारा इसे संचालित करने हेतु लीज पर दिया गया जिससे समुचित लोगों को लाभ प्राप्त हो सके परंतु ठीक उसके विपरीत संचालक द्वारा सुचारू रूप से संचालन कार्य को छोड़ कर पूर्णरूपेण मनमाने ढंग से बिना विभागीय अनुमति के मोटल पर अवैध निर्माण कार्य राष्ट्रीय राजमार्ग की भूमि पर किया जा रहा है। जिसकी शिकायत ग्रामवासियों द्वारा किये जाने के उपरांत रोक दिया गया था। जो पुनः उक्त भूमि पर निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग तक किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य किसी व्यक्ति या संस्था द्वारा बिना अनुमति के नहीं किया जा सकता। पर्यावरण विभाग द्वारा भी बिना किसी अनुमति के संचालक द्वारा मोटल के अदर ढाबा का निर्माण कार्य हो रहा है। जिससे आने वाले समय किसी भी सामुदायिक, सास्कृतिक, राजनीतिक व शासकीय उपयोग हेतु जगह की कमी होने के कारण उपयोग विहीन हो जायेगा मोटल तथा क्षेत्र के लोग इसका उपयोग नहीं कर पायेगे उक्त निर्माण कार्य को अविलम्ब सभी विषय बिंदु की जांच कर कटनी, गुमला राष्ट्रीय राजमार्ग पर पटना स्थित पर्यटन विभाग के मोटल पिस्ता इन के संचालक द्वारा अवैध निर्माण कार्य पर रोक लगाये जाए नही तो समस्त पटना क्षेत्र वासी आदोलन हेतु बाध्य होगें जिसकी पूर्ण रूपेण जिम्मेदारी जिला शासन व प्रशासन की होगी।

विष्णु के सुशासन में रिपोर्ट नहीं, रिजल्ट चाहिएः स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी

- स्वास्थ्य मंत्री ने मैराथन बैठक लेकर की समीक्षा,आचार संहिता खत्म होते ही छत्तीसगढ़ में सरकार का काम शुरू
- सुपेबेड़ा में खुलेगा डायलिसिस सेंटर, माडल नेफोलाजी सेंटर खोलने की अनुशंसा
- समीक्षा बैठक में दवाइयों की उपलब्धता और एनीमिया की दवाइयों के सैंपल के रैंडम जांच पर हुई चर्चा

-संवाददाता-
रायपुर/मनेन्द्रगढ़,07 जून 2024
(घटती-घटना)।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आज मंत्रालय में स्वास्थय विभाग के अधिकारियों के साथ मैराथन बैठक लेकर विभाग के कामकाज की समीक्षा की। श्री जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव के नेतृत्व में स्वास्थ्य सुविधाओं में लगातार इजाफा किया जा रहा है और सभी मेडिकल कालेज तथा जिला अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। श्री जायसवाल ने अधिकारियों को कहा है कि विष्णु के सुशासन में उन्हें रिपोर्ट नहीं बल्कि रिजल्ट चाहिए ताकि राज्य की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं निरंतर मिलती रहें। श्री जायसवाल ने कहा कि राज्य मे स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार के लिए ये आवश्यक नहीं है कि बजट की उपलब्धता रहे, बल्कि आवश्यक ये है कि मजबूत इच्छाशक्ति हो, हमें ऐसा काम करना है जिससे लोगों के मन में स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर सकारात्मक भाव आए।

मलेरिया और सिकल सेल एनीमिया की रोकथाम के लिए स्थानीय स्तर पर जागरूकता की आवश्यकता

स्वास्थ्य मंत्री ने मलेरिया और सिकल सेल एनीमिया जैसी बीमारियों के बारे में बात करते हुए कहा है कि इसको लेकर समाज में जागरूकता लाने की आवश्यकता है। इसके लिए जिन क्षेत्रों में इन बीमारियों का संक्रेंद्रण ज्यादा है वहां ज्यादा से ज्यादा प्रचार प्रसार कर लोगों को इनसे बचने के तरीकों के बारे में जागरूक किया जाए। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने समीक्षा बैठक में विभागीय बजट का आंकलन करते हुए उसे अनुपूरक बजट में शामिल करने के प्रस्ताव पर विस्तार पूर्वक चर्चा की। इसके साथ ही नियमित बजट में पारित कार्यो की भी समीक्षा की। श्री जायसवास ने विभागीय समीक्षा बैठक में चिकित्सकों एवं निचले स्टाफ की पदस्थापना को लेकर चर्चा की और रिक्त पदों को जल्द से जल्द व्यापम एवं पीएससी के माध्यम से भरे जाने के निर्देश दिए।

सुपेबेड़ा में डायलिसिस सेंटर, राज्य में माडल नेफोलाजी सेंटर खोलने की अनुशंसा

स्वास्थ्य मंत्री ने सुपेबेड़ा में किडनी की बीमारी को ध्यान मे रखते हुए वहां एक अत्याधुनिक डायलिसिस सेंटर खोलने की अनुशंसा की है। सुपेबेड़ा में बीमार लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा देने और बीमारी के कारणों का पता लगाने के लिए एक कमेटी भी बनाई गई है। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री ने सुपेबेड़ा में उत्कृष्ट डायलिसिस सेंटर खोलने की अनुशसा की है ताकि वहां के मरीजों को त्वरित लाभ मिल सके। इसके साथ ही श्री जायसवाल ने राज्य भर के किडनी के मरीजो के बेहतर इलाज के लिए राज्य में एक माडल नेफ्रोलाजी सेंटर खोलने की भी अनुशंसा की है।

एनीमिया की दवाइयों के सैंपल की करें रैंडम जांचः श्री जायसवाल

राज्य के अस्पतालों में दवाइयों की उपलब्धता की चर्चा करते हुए श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ ही श्री जायसवाल ने विभाग को निर्देशित किया है कि एनीमिया की बीमारी को ठीक करने के लिए उपलब्ध दवाइयों के सैंपल की अलग-अलग लेबोरेट्री में रैंडम जांच की जाए ताकि इस जरूरी दवा की गुणवत्ता को जांचा परखा जा सके। समीक्षा बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री मनोज पिंगुआ, स्वास्थ्य विभाग के विशेष सचिव श्री चंदन कुमार, एनएचएम के एमडी श्री जगदीश सोनकर, आयुक्त सह संचालक श्री ऋतुराज रघुवंशी, नियंत्रक खाद्य एवं औषधि विभाग श्री कुलदीप शर्मा, संचालक आयुष सुश्री इफ्फत आरा, सीजीएमएससी एमडी सुश्री पद्मिनी भोई साहू समेत विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सुनालिया रेल्वे क्रासिंग क्षेत्र में अंडरब्रिज बनाए जाने से पूर्व बेजा कब्जा हटाने नोटिस जारी

-राजा मुखर्जी-
कोरबा,07 जून 2024
(घटती-घटना)।

सुनालिया रेल्वे क्रासिंग में अंडरब्रिज बनाए जाने को लेकर कार्य सुरू किया जाना है । जिसको लेकर सिंचाई विभाग द्वारा प्रस्तावित क्षेत्र के आस पास हुए अवैध कब्जों को हटाने की तैयारी विभाग द्वारा शुरू की गई । इसके लिए सिंचाई विभाग ने संबंधितों को नोटिस जारी कर दिया है। कुछ महीने पहले ही इसके लिए योजना को फाइनल किया गया। संजय नगर रेलवे क्रासिंग क्षेत्र में 200 मीटर की लंबाई में बनने वाले अंडरब्रिज को लेकर तैयारियों को बढ़ाया जा रहा है। मौके पर सिंचाई विभाग की जमीन से सभी तरह के अवैध कब्जों को हटाने की तैयारी है। इसके लिए सिंचाई विभाग ने संबंधितों को नोटिस जारी कर दिया है। सात दिन में इस काम को करने के निर्देश हैं। रेलवे और राज्य सरकार ने 50-50 प्रतिशत की लागत वहन करने के सिद्धांत पर संजय नगर रेलवे क्रॉसिंग में रेल अंडरब्रिज बनाने के प्रस्ताव को मंजूर किया है। इस क्रासिंग को प्रतिदिन 20 से अधिक बार बंद करने की नौबत आती है जिससे राहगीरों को अत्यंत असुविधा

का सामना करना पड़ता है । यात्री गाडियों और मालगाडियों के चलते हर 15 से 20 मिनट में रेलवे क्रासिंग बंद होती है। इस चक्कर में ट्रांसपोर्टनगर, स्टेशन रोड और कोरबा शहर के दो क्षेत्र की तरफ जाने वाले लोगों को जमकर परेशान होना पड़ता है। लंबे समय से यह समस्या बनी हुई है। इसके समाधान के लिए लगातार हुई पहल के बाद अब इसका समाधान का रास्ता प्रशासन द्वारा खोजा लिया गया है। रेल अंडरब्रिज का निर्माण इसी की एक प्रक्रिया है। छत्तीसगढ़ सेतु निगम को इस काम के लिए एजेंसी बनाया गया है जो मौके पर रेल अंडरब्रिज तैयार करेगा जिसकी संपूर्ण लंबाई लगभग 200 मीटर होगी। इसका एक सिरा नहर पुल पीएच रोड की तरफ होगा तो दूसरा सिरा स्टेशन रोड की ओर। क्योंकि इस प्रस्तावित क्षेत्र में अवैध कब्जों की संख्या ज्यादा है,इसलिए विभाग द्वारा खाली करने दिया गया नोटिस । हसदेव बरॉज जल प्रबंध उपसंभाग दर्री/कोरबा ने संबंधित क्षेत्र का सर्वे कराने और भौगोलिक स्थिति के आधार

सुनालिया नहर पुल के आगे से संजय नगर तक का क्षेत्र रेल अंडरब्रिज के दायरे में आ रहा है। यहां की जमीन सिंचाई विभाग की है। इसके बड़े हिस्से में लोगों ने अवैध कब्जा कर लिया है। रेल अंडरब्रिज के निर्माण के लिए जमीन खाली कराने नोटिस दिया गया है)
-एस.एन.साय,
एसडीओ हसदेव जल प्रबंध संभाग

पर इस मामले में आसपास के उन सभी लोगों को नोटिस थमा दिया है जो उसकी जमीन पर अवैध रूप से काबिज हैं। 5 जून को यह आदेश सर्कुलेट किया गया है और सभी कब्जाधारियों को व्यक्तिगत पहुंचाया गया है। इसके विषय में कहा गया हैं कि हसदेव बांयी तट से अतिक्रमण और अवैध कब्जा हटाया जाना है। संबंधित क्षेत्र की जमीन सिंचाई विभाग की है। हसदेव बांयी तट नहर आरडी-9526 से 1000 मीटर के मध्य नहर के किनारे, शेष बची जमीन पर उनके द्वारा अवैध रूप से कब्जा किया गया है जो अवैधानिक है। इस पत्र के मिलने के साथ वे विभागीय भूमि को खाली कर दें अन्यथा उनके विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी।

खनिज विभाग की कार्यवाही

नियम विरूद्ध रेत उत्खनन में लगे दो जेसीबी को किया जब्त

-संवाददाता-
कोरबा,07 जून 2024
(घटती-घटना)।

कोरबा शहर के निकट कुदुरमाल रेत घाट से खनिज विभाग की टीम ने दो जेसीबी को जब्त किया है। रेत खनन में लगे जेसीब पकड़ने के बाद रेत माफियाओं में हड़कंप मच गया है। मामला कुदुरमाल रेत घाट का है जहां रेत घाट के भीतर चार जेसीबी से रेत खनन की सूचना खनिज विभाग को मिली थी । जानकारी के आधार पर विभाग की टीम ने रेत घाट में छापेमार कार्रवाई करते हुए दो जेसीबी को जब्त किया है। रेत तस्कर नियम विरूद्ध रेत घाट में मशीन से उत्खन कर रहे थे । पकड़े गए जेसीबी श्याम बघेल और सज्जाद का बताया जा रहा है। रेत खनन के लिए शासन के गाइडलाइन के अनुसार मैनुअल तरीके से रेत खनन करने का प्रविधान है। पर नियम की अनदेखी करते हुए रेत का उत्खनन बड़े-बड़े जेसीबी मशीन के द्वारा किया जा रहा था, जिससे कम समय पर अधिक रेत का उत्खनन किया जा सके। मैनुअल पद्धति से रेत खनन करने पर मुश्किल से दिन भर में 20 ट्रैक्टर ही भरा जा सकता है, वहीं जेसीबी से 60 से 70 ट्रैक्टर को लोड किया जा सकता है। नियम विरूद्ध जेसीबी से रेत खनन बिना किसी अनुमति किए जाने पर की गई कार्यवाही ।

स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत एसएचजी ग्राम पंचायत को ओडीएफ ग्राम बनाने में निभा रही है महत्वपूर्ण भूमिका

-संवाददाता-
सूरजपुर,07 जून 2024
(घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री रोहित व्यास के निर्देशानुसार और सीईओ ज़िले पंचयात के मार्गदर्शन में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन कार्य के सफल क्रियान्वयन में ग्राम पंचायत तेलाईमुड़ा जनपद पंचायत रामानुजनगर की सरपंच श्रीमती चंद्रवती बघेल के द्वारा घर-घर कचरा संग्रहण कार्य में सहयोग करते हुए स्वच्छाग्रही समूह की महिलाओं को मासिक यूजर चार्ज 50/-रुपये माह मई का भुगतान कर अपने ग्राम पंचायत को (ओडीएफ) मॉडल ग्राम बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अपना एक क़दम स्वच्छता की ओर बढ़ाया है। इस ओर अपने ग्राम पंचायत सरपंच के इस अनुकरणीय पहल से प्रेरित होकर कचरा संग्रहण कार्य में सम्मिलित समूह की महिलाओं के द्वारा भी अपनी स्वेच्छा से मासिक यूजर चार्ज 20/-रुपये भुगतान कर एक मिसाल कायम कर अपने जनपद के अन्य ग्राम पंचायतों में कार्यरत स्वच्छाग्रही समूहों के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत किया गया है। जिससे निश्चित ही ग्रामीणों में मासिक यूजर चार्ज के लिये मानसिकता बदलेगी और अपनी जिम्मेदारियों का एहसास होगा। इस प्रकार की सहभागिता से ही ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान को एक मजबूती मिलेगी और ग्राम पंचायत (ओडीएफ) मॉडल पंचायत के रूप में विकसित हो सकेंगे।

चोरी एवं नकबजनी के मामले में एक व्यक्ति गिरफ्तार

लैपटॉप,कैमरा,मोबाइल एवं चोरी की मशरूका की गई जप्त

-संवाददाता-
कोरबा,07 जून 2024
(घटती-घटना)।

जिले के दर्री थाना क्षेत्र अंतर्गत दिनांक 20.04.24 को प्रार्थी विवेक सिंह पिता भोला सिंह उम्र 24 वर्ष दर्री द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया था कि दिनांक 19.04.2024 की रात्रि मे कोई अज्ञात चोर द्वारा घर में घुसकर लैपटॉप, कैमरा, मोबाइल कीमती 25,000 रू.को चोरी कर ले गया है कि रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 119/2024 धारा 457, 380 भादवी पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया था, एवं दिनांक 24.05.24 को प्रार्थी राजाराम पाण्डेय पिता वैदांतिशरण पाण्डेय उम्र 50 वर्ष पता एफ/1090 एचटीपीएस कालोनी दर्री द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया था कि कोई अज्ञात चोर द्वारा एनटीपीसी गेट स्थित मंदिर का ताला टूटा एवं मंदिर मे रखे 03 दान पेटी का ताला टूटने की रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था । पुलिस अधीक्षक कोरबा सिध्दार्थ तिवारी (भापुसे) एवं श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यूबीएस चौहान (रा.पु.से) तथा नगर पुलिस अधीक्षक दर्री रविन्द्र मीणा (भा.पु.से.) के मार्ग दर्शन में थाना प्रभारी दर्री उपनिरीक्षक विनोद सिंह के नेतृत्व में टीम गठित कर माल मुल्जिम का पतासाजी की जा रही थी। घटना स्थल के आस पास का सीसीटीवी फुटेज चेक करने पर एक संदिग्ध व्यक्ति के मिलने पे लगातार पतासाजी की जा रही थी, कि दिनांक 06.06.2024 को मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति लैपटोप बेचने कि फिराक मे ग्राहक खोज रहा है, जिस पर पुलिस द्वारा ग्राहक बन कर उक्त आरोपी को धर दबोचा गया। जिसने अपना नाम कृष्णा मरकाम उर्फ़ किस्सू उम्र 19 वर्ष पता गोंड मोहल्ला अयोध्यापुरी थाना दर्री बताया गया को पकड़कर थाना लाया गया, पूछताछ करने पर आरोपी द्वारा उपरोक्त दोनों चोरी की घटना को स्वीकार किया। चोरी की समान को छुपा कर कुछ दिन के लिये अपने मामा घर जाना, और मामला शांत होने पर आकर चोरी के सामान को बेचकर बाहर जाने की बात बतायी । आरोपी के कब्जे से अपराध क्रमांक 119/24, 124/2014 धारा 457,380 भादवि में - लैपटॉप, कैमरा, मोबाइल एवं नकदी रकम जप्त कर विधिवत कार्यवाही कर गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया है । उपरोक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी दर्री उपनिरीक्षक विनोद सिंह, सहायक उप निरीक्षक अजयदान लकड़ा, आरक्षक ओमप्रकाश निराला, गजेन्द्र राजवाड़े, संजय कश्यप, जागेश्वर भैना एवं सैनिक हिमांशु तिवारी का महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

डीएमएफ से 01 करोड़ की लागत से बनेगा वृद्धाश्रम,अब असहाय वृद्धजनों को नहीं पड़ेगा भटकना

60 महिला एवं पुरूष वृद्धों को मिलेगी आवासीय सुविधा

-संवाददाता-
कोरबा,07 जून 2024
(घटती-घटना)।

जिला प्रशासन ने बड़ी पहल करते हुए खनिज न्यास निधि से जिले में बेसहारा,असहाय वृद्धजनों को आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने वृद्धाश्रम का संकल्प लिया है। इस दिशा में नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 54 सर्वमंगला मंदिर के पास स्थित आश्रम का नवीनीकरण करते हुए 01 करोड़ 01 लाख 22 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। वृद्ध और निःशक्तजनों के कल्याण की विशेष कार्यक्रम के तहत संचालित होने वाले इस आश्रम में 60 पुरूष एवं महिला वृद्धों को आवासीय सुविधा मिलेगी। इसके निर्माण के साथ ही कोरबा जिला में जिला प्रशासन द्वारा संचालित यह पहला सर्वसुविधा युक्त वृद्धाश्रम होगा। कोरबा जिले में बेसहारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए व्यवस्थित एवं सुविधायुक्त वृद्धाश्रम भवन की कमी लंबे समय से बनी हुई थी। इस दिशा में पहल करते हुए जिला प्रशासन ने जिला खनिज न्यास मद के तहत वृद्धाश्रम बनाने का निर्णय लिया। उन्होंने सर्वमंगला मंदिर के समीप संचालित वृद्धाश्रम की व्यवस्थाओं, कमियों और समस्याओं को संज्ञान में लेकर बेसहारा वृद्धजनों के कल्याण के लिए पुराने आश्रम भवन को संवारने का निर्णय लिया है। लगभग 01 करोड़ से अधिक राशि की प्रशासकीय स्वीकृति जारी कर कलेक्टर ने जीर्ण-शीर्ण हो चुके पुराने आश्रम के भवन को नवीनीकृत करने का अहाता, नवीन शौचालय, विद्युतीकरण के कार्यो को प्राथमिकता दी है। सुविधायुक्त वृद्धाश्रम बनने से यहां रहने वाले वृद्धजनों को किसी प्रकार की समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ेगा। वहीं 60 की संख्या के आधार पर भवन में कमरे आदि होने पर इधर-उधर भटकने वाले बेसहारा वृद्धजनों को आवासीय सुविधा मुहैया हो सकेगी।

अवैध रूप से रखे 56 नग साल चिरान जब्त

-संवाददाता-
सूरजपुर,07 जून 2024
(घटती-घटना)।

मुख्य वन संरक्षक सरगुजा वनवृत्त के निर्देशानुसार वनमण्डलाधिकारी सूरजपुर के मार्गदर्शान, उपवन मण्डला धिकारी सूरजपुर के नेतृत्व एवं वनपरिक्षेत्राधिकारी सूरजपुर, परिक्षेत्र सहायक सूरजपुर एवं कसकेला के कर्मचारियों की उपस्थिति में तलाशी वारंट के माध्यम से ग्राम बतरा निवासी सेवक राम राजवाड़े पिता स्वर्गीय जुगेश्वर राजवाड़े के घर से अवैध रूप से रखे 56 नग साल चिरान 0.866 घनमीटर की जप्ती की गई, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 25000 रूपये है। जप्ती कर वैधानिक कार्यवाही की गई है।

::कार्यालय सेनानी10वीं वाहिनीं छ.ग. बल कनकपुर सिलफिली जिला-सूरजपुर(छ.ग.)::
क्रमांक-10 वीं वाहिनीं /छ0स0बल /साअ /ए/ 530 /2024 दिनांक-31/05/2024

::नीलामी विज्ञप्ति::

-::पुराने अनुपयोगी शासकीय /अशासकीय सामग्रियों के विक्रय संबंधी सूचना::-

सेनानी 10 वीं वाहिनीं छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल कनकपुर सिलफिली जिला-सूरजपुर में निम्नलिखित सामग्रियों की नीलामी हेतु मोहर बंद निविदाएँ आमंत्रित किये जाते हैं। मोहरबंद लिफाफे के ऊपर निविदा सूचना क्रमांक तथा निविदाकर्ता का पुरा नाम पता एवं दुरभाष नंबर का लेख किया जाना अति आवश्यक हैं।

अनुपयोगी शासकीय सामग्री					
क्र.	सामगी का प्रकार	तादात्/वजन	क्र.	सामग्री का प्रकार	तादात्/वजन
01	लोहा पुराना	1086कि.ग्रा.(लगभग)	07	वाटर कूलर	06 नग
02	एल्युमिनियम पुराना	350कि. ग्रा.(लगभग)	08	पेट्रोमैक्स	07 नग
03	स्टील पुराना	38कि. ग्रा.(लगभग)	09	बिगुल	01 नग
04	टीना	488कि. ग्रा.(लगभग)	10	सिलिंग फैन	28नग
05	प्लास्टिक	451कि. ग्रा.(लगभग)	11	सर्च लाईट	64 नग
06	युपीसएस बैटरी	15नग			
अनुपयोगी अशासकीय सामग्री					
01	सिलाई मशीन	02नग			
02	एलईडी टीव्ही	01नग			
03	समर विबल पंप	07नग			

01 निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि-:प्रकाशन की तिथि14.06.2024 के समय 13.00 बजे तक
02 फर्म द्वारा प्रस्तुत निविदा जमा करने की अंतिम तिथि-:18.06.2024के 13.00बजे तक
03 निविदा खोलने की तिथि-:24.06.2024 के 16.00बजे तक
नोट-:निविदा प्रपत्र कोषालय में संबंधित निविदा कर्ता द्वारा बैक से 0055 पुलिस मिसलिनियस पुलिस रिसिप्ट चालान राशि रूपये 500/- जमा किया जाकर चालान की मूल प्रति संबंधित कार्यालय में जमा करने पर निविदा प्रपत्र एवं क्रय की नियम व शर्तें तथा अन्य जानकारियाँ कार्यालय दिवस में अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती हैं।

सेनानी
10वीं वाहिनीं छ0स0बल
सूरजपुर

जी नंबर-242500100/1

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) /अंबिकापुर, जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र..... /अ-2/2023-24

एतद द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक इन्द्रजीत सिंह पिता रणजीत सिंह जाति क्षत्रिय .,निवासी सरगंवा तहसील अंबिकापुर, जिला -सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम-सरगंवा तहसील अंबिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0) खसरा नं0800/2 रकबा 0.020 हे0 में से0.012हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1,खसरा,नक्शा,पंचायत प्रस्ताव की प्रति,आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है ,जो इस न्यायालय में विचाराधीन हैं।

अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 19/06/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 03/06/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील

अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) अंबिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) /सूरजपुर, जिला-सूरजपुर(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क.2024062603000 20/अ-62

क्रमांक/905/याचक-1/2024 सूरजपुर दिनांक 06/06/2024

इस सर्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व- साधारण आम जनता /संस्था /विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक छत्तीसगढ़ हाईड्रो पॉवर एल.एल.पी.के द्वारा 24.9 मेगावॉट रेहर-1लघु जल विद्युत परियोजना हेतु ग्राम पासलमें प्रस्तावित पॉवर हाउस से सी. एस. पी. टी. सी. एल. 220/132 के. व्ही. सबरस्टेशन विश्रामपुर तक 132 के.व्ही. विद्युत ट्रांसमिशन लाईन के निर्माण से ग्राम-केशवनगर ,नयनपुर ,रूनियाडीह ,सोहागपुर ,सरमा ,उचडीह ,लोधिमा, एवं बसदेई ,में प्रभावित 189 वृक्षों के विदोहन हेतु अनुमति हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया हैं। जिसके संबंध में प्रकरण में कार्यवाही की जा रही हैं।

अतःइस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था /विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभावित/लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 20/06/2024 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं।नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 06/06/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थानः-सूरजपुर

सील

अनुविभागीय अधिकारी(रा.)
सूरजपुर जिला-सूरजपुर(छ.ग.)

CMYK

अब जाके नींद से जागा आईसीसी

संक्षिप्त खेल समाचार

पेरिस ओलंपिक से पहले प्रदर्शन में सुधार करना चाहेगी भारतीय हॉकी टीम

लंदन,07 जून 2024। पेरिस ओलंपिक को ध्यान में रखते हुए भारतीय पुरूष हॉकी टीम इस सप्ताह के आखिर में जर्मनी और ब्रिटेन के खिलाफ एफआईएच हॉकी प्रो

लीग के मुकाबलों में अपने प्रदर्शन में सुधार के इरादे से उतरेगी। भारत को शनिवार को विश्व चैम्पियन जर्मनी से खेलना है जबकि रविवार को ब्रिटेन से मुकाबला होगा। बेल्जियम चरण और लंदन में दो मैचों के बाद भारत 14 मैचों में 24 अंक लेकर चौथे स्थान पर है। जर्मनी छठे और ब्रिटेन सातवें स्थान पर है। उपकप्तान हार्दिक सिंह ने कहा ,'' हमने कुछ अच्छी हॉकी खेली लेकिन कुछ क्षेत्रों में सुधार करना होगा। इन दो मैचों में हमारा लक्ष्य आक्रामक शुरूआत करने का होगा। हम अच्छी हॉकी खेलकर लय बनाये रखने की कोशिश करेंगे।'' बेल्जियम में भारत ने शूटआउट में अर्जेंटीना को हराया लेकिन बेल्जियम से 1 . 4 से हार गई।

50 के हुए टेनिस लेजेंड महेश भूपति

दुनियाभर में रोशन किया भारत का नाम

नई दिल्ली,07 जून 2024। आज यानी की 07 जून को देश के लिए पहला ग्रैंड स्लैम जीतने वाले भारतीय टेनिस खिलाड़ी महेश भूपति अपना 50वां जन्मदिन मनाए। महेश भूपति तमाम युवाओं के प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने विश्व स्तरीय टेनिस प्रतियोगिता में अपने नाम कई खिताब किए हैं। लिएंडर पेस के साथ मिलकर उन्होंने तीन बार डबल्स खिताब भी हासिल हुआ। बता दें कि महज 14 साल की उम्र में उन्होंने अंतराष्ट्रीय टेनिस करियर की शुरुआत की थी।

न्यूयॉर्क पिच सुधारने की हो रही कोशिश

न्यूयॉर्क,07 जून 2024। देर आए दुरुस्त आए..जी हां ये कहावत आईसीसी पर बिलकुल सटीक बैठती है। दरअसल, इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने माना कि टी20 वर्ल्ड कप 2024 में न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी स्टेडियम की अबतक इस्तेमाल की गई दो पिचें बेहद ही घटिया स्तर की रही हैं। इस वेन्यू पर बाकी के बचे मुकाबलों से पहले इस समस्या का समाधान करने का प्रयास किया जा रहा है। 9 जून यानी रविवार को इसी मैदान पर क्रिकेट जगत की दो चिर परिचित प्रतिद्वंद्वी टीमें भारत और पाकिस्तान टकराएंगी। भारत और आयरलैंड

के बीच बुधवार को इसी मैदान में मुकाबला खेला गया। इस मुकाबलें में बल्लेबाजों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। जिसके बाद आईसीसी ने कहा कि नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में अब तक इस्तेमाल की गई पिचें उतनी निरंतरता से नहीं खेली हैं, जितनी हम सभी चाहते थे। विश्व स्तरीय मैदान वाली टीम कल के खेल के समापन के बाद से स्थिति को सुधारने और शेष मैचों के लिए बेहतर प्रदान करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। 5 महीने में तैयार हुआ ग्राउंड न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी क्रिकेट स्टेडियम को पार्क में बनाया गया है। इसे बनाने में महज 5 महीने का समय लगा है। यहां फ्लोरिडा में बने ड्रॉप इन पिचों का इस्तेमाल हो रहा है। इस स्टेडियम में पहला मैच साउथ अफ्रीका और श्रीलंका के बीच 3 जून को खेला गया था। पिच नंबर-1 पर खेले गए इस मैच में श्रीलंका की टी77 रन पर ही ऑलआउट हो गई थी। साउथ अफ्रीका को टारगेट हासिल करने में भी 16.2 ओवर लग गए थे।

5 जून को भारत और आयरलैंड के बीच पिच नंबर-4 पर हुआ। जहां आयरलैंड की टीम 96 रन पर ही ऑलआउट हो गई थी। भारतीय टीम 8 विकेट से ये मैच जीती, लेकिन कप्तान रोहित शर्मा और ऋषभ पंत को खूब चोट लगी। इस दौरान तो रोहित शर्मा को कंधे में चोट लगने के कारण रिटायर हर्ट होना पड़ा। पिच नंबर 2 और 3 का अभी तक इस्तेमाल नहीं किया गया है। इनमें से एक पिच से घास काट दी गई है।

इंडिया/पाक मुकाबले से पहले हार्दिक पंड्या का बयान

कहा- पाकिस्तान ऐसी टीम है..

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले हाईवोल्टेज मैच में अब महज कुछ ही समय शेष रह गया है। इससे पहले भारतीय स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने मैच को लेकर अपनी भावनाएं जाहिर की हैं। हार्दिक पंड्या का पाकिस्तान के खिलाफ शानदार प्रदर्शन रहा है। इस बात को ऑलराउंडर खिलाड़ी ने खुद भी स्वीकार किया है। स्टार स्पोर्ट्स के साथ बातचीत में हार्दिक ने स्वीकार किया कि पाकिस्तान एक ऐसी टीम है जिसके खिलाफ वह काफी लकी साबित हुए हैं। हार्दिक पंड्या ने कहा कि, मेरे लिए बड़े खेलों में खड़ा होना बहुत रोमांचक है, मुझे ये एक्स्ट्रा स्पेशल लगता है और पाकिस्तान एक ऐसी टीम है जहां मैं बहुत भाग्यशाली रहा हूं। मैं कई खेलों में अच्छा प्रदर्शन करने में सक्षम रहा हूं।

बैरिंगटन,लीस्क के दम पर स्कॉटलैंड ने नामीबिया को पहली बार हराया

ब्रिजटाउन (बारबाडोस) ,07 जून 2024। कप्तान रिची बैरिंगटन और माइकल लीस्क के शानदार प्रदर्शन की बदौलत स्कॉटलैंड ने नामीबिया को शुक्रवार को पांच विकेट से हराकर टी 20 विश्व कप में अपनी पहली जीत दर्ज की।

कप्तान गेरहार्ड इरस्मस के 31 गेंदों में 52 रन की बदौलत नामीबिया ने 155/9 का लडने लायक स्कोर बनाया। बैरिंगटन के 35 गेंदों पर नाबाद 47 और लीस्क के 17 गेंदों पर 35 रन की बदौलत स्कॉटलैंड ने नौ गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया।

यह स्कॉटलैंड की नामीबिया के खिलाफ पहली टी 20 जीत है जिससे वह अब आईसीसी

रैंकिंग में अफ्रीकी देश से ऊपर चला जाएगा।

नामीबिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। हालांकि आसमान पर बादल छाये हुए थे।

स्कॉटलैंड ने गेंद से शानदार शुरुआत की। ब्रैड व्हील ने जेपी कोट्ज़े को शून्य पर आउट कर दिया। पावरप्ले में दो और विकेट गिरे, जब जान फाइलिनक (12) को ब्रैड करी ने बोल्ड किया और निकोलस डेविन (20) क्रिस सोल की गेंद पर कैच आउट हुए।

ज़ेन ग्रीन (27 में से 28) और डेविड विसे (13 में से 14) ने स्कॉटलैंड की प्रभावशाली गेंदबाजी का विरोध किया, लेकिन नामीबिया को देर से रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा, केवल इरस्मस को कुछ प्रवाह मिला, जिससे उनकी टीम ने कुल 155/9 का स्कोर बनाया।

स्कॉटलैंड के लक्ष्य का पीछा जॉर्ज मुन्से (15 में 7) के टैंगेनी लुंगामेनी के हाथों जल्दी गिरने से शुरू हुआ। इसके बाद इरस्मस ने आठवें ओवर में माइकल जोन्स (20 में से 26) को आउट कर दिया और स्कॉटलैंड का स्कोर 49/2 हो गया। नामीबिया के कीपर ज़ेन ग्रीन द्वारा ब्रैंडन मैकमुलेन को आउट करने के लिए की गई एक चतुर स्टंपिंग ने गति बदल दी।

जब 11वें ओवर में मैथ्यू क्रॉस एलबीडब्ल्यू (5 में 3) आउट हो गया, तो नामीबिया होड़ में बना रहा। हालाँकि, बेरिंगटन ने 13वें ओवर की समाप्ति पर लगातार चौके लगाए और स्कॉटलैंड को वापस पटरी पर ला दिया। लीस्क ने अगले ओवर में छक्का जड़कर स्कॉटलैंड को 100 रन के पार पहुंचाया।

17वें ओवर में 19 रन से स्कॉटलैंड नामीबिया पर अपनी पहली टी20 जीत के करीब पहुंच गया, जिसमें साझेदारी 50 रन से अधिक हो गई। लीस्क को अगले ओवर में आउट कर दिया गया और बेरिंगटन ने दूसरे-आखिरी ओवर में छक्का मारकर मैच समाप्त कर दिया। ।

संक्षिप्त स्कोर- नामीबिया 20 ओवर में 155/9 (गेरहार्ड इरस्मस 52; ब्रैड व्हील 3-33); स्कॉटलैंड 18.3 ओवर में 157/5 (रिची बेरिंगटन 47*, माइकल लीस्क 35; गेरहार्ड इरस्मस 2-29)

पाकिस्तान तीनों विभागों में अच्छा नहीं खेला:बाबर आजम

डलास,07 जून 2024। पाकिस्तान की सह-मेजबान अमेरिका के हाथों टी 20 विश्व कप के अपने पहले मैच में गुरूवार को सुपर ओवर में सनसनीखेज पराजय के बाद कप्तान बाबर आजम ने स्वीकार किया कि उनकी टीम खेल के तीनों विभागों में अच्छा नहीं खेली।

पाकिस्तान को शुरुआत में संघर्ष करना पड़ा और उसने पॉवरप्ले की समाप्ति तक 30 रन पर तीन विकेट गंवा दिए। बाबर आजम और शादाब खान ने 48 गेंदों पर 72 रन की साझेदारी कर पारी को संभाला। लेकिन अमेरिका ने पाकिस्तान को 159/7 पर रोक दिया और फिर स्कोर की बराबरी की और सुपर ओवर में मैच जीतकर टूर्नामेंट का एक बड़ा अपसेट कर दिया।

बाबर के अनुसार, पाकिस्तान की बल्लेबाजी पॉवरप्ले में ही उखड़ी हुई थी, वे मध्य ओवरों में धीमे रहे हुए और डैथ ओवरों में काफी निराश किया। गेंदबाजी करते हुए वे गति के साथ अपनी शुरूआती योजना को अंजाम तक नहीं पहुंचा पाए और मध्य ओवरों में स्पिन के साथ विकेट नहीं ले पाए।

कंगना रनौत ने थप्पड़ विवाद पर बॉलीवुड सेलेब्स की चुप्पी पर निशाना साधा

अभिनेत्री से राजनेता बनीं कंगना रनौत इस समय चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर अपने साथ हुई थप्पड़ घटना को लेकर चर्चा में हैं। अभिनेत्री को कथित तौर पर एयरपोर्ट पर सुरक्षा जांच के दौरान सीआईएसएफ अधिकारी ने थप्पड़ मारा था, जब वह एनडीए की बैठक में भाग लेने के लिए नई दिल्ली दिल्ली जा रही थीं। शुक्रवार को उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर स्टोरीज सेक्शन में एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने इस घटना पर चुप्पी साधने के लिए बॉलीवुड सेलेब्स की आलोचना की।

हालांकि, अब कंगना ने वह पोस्ट डिलीट कर दी है, जिसमें लिखा था, प्रिय फिल्म इंडस्ट्री, आप सभी एयरपोर्ट पर मुझ पर हुए हमले पर या तो जश्न मना रहे हैं या पूरी तरह से चुप हैं। याद रखें कि अगर कल आप अपने देश की किसी सड़क पर या दुनिया में कहीं और निहत्थे चल रहे हों और कोई इजरायली/फिलिस्तीनी आपको या आपके बच्चों को सिर्फ इसलिए पीट दे क्योंकि आपने राफा की ओर आंख उठाने की कोशिश की या इजरायली बंधक के लिए खड़े हुए... तो आप देखेंगे कि मैं आपकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के लिए लड़ूंगी, अगर किसी दिन आपको आश्चर्य होगा कि मैं वहां क्यों हूं, तो याद रखें। तुम मैं नहीं हो।इससे पहले, कंगना की बहन रंगोली चंदेल ने भी अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर लिखा,

खालिस्तानियों की बस यही औकात है तुम लोगों की...पीछे से प्लान करना और अटैक करना...लेकिन मेरी बहन की रीढ़ स्टील की बनी है...वह खुद ही इससे निपटने जा रही है...लेकिन पंजाब तेरा क्या होगा सकिसानों का विरोध खालिस्तानी अड्डा था...एक बार फिर साबित हुआ!! यह गंभीर सुरक्षा खतरा था...इसे शीर्ष स्तर पर ले जाने की जरूरत है!! एक अन्य स्टोरी में उन्होंने लिखा, ÷सस्पेंड करने से इसको फराक नहीं पड़ेगा...मोटी रकम आ गई होगी खालिस्तानियों से...रिमांड पर लेना पड़ेगा इसको...घटना के बाद, कंगना ने प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो भी पोस्ट किया जिसमें बताया गया कि एयरपोर्ट पर वास्तव में क्या हुआ था। वीडियो में, उन्हें यह कहते हुए सुना जा सकता है, नमस्ते, दोस्तों! मुझे मीडिया और मेरे शुभचिंतकों से कई फोन कॉल आ रहे हैं। सबसे पहले मैं सुरक्षित हूँ और मैं पूरी तरह से ठीक हूँ ठीक है। चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर आज जो दुर्घटना हुई, वह सुरक्षा जांच के दौरान हुई। जैसे ही मैं आगे बढ़ा, दूसरे केबिन में सीआईएसएफ सुरक्षा गार्ड ने मेरे पास से गुजरने का इंतजार किया और फिर उसने मेरे चेहरे पर मारा। उसने मुझे गाली भी दी। जब मैंने उससे पूछा कि उसने मुझे क्यों मारा तो उसने कहा कि वह किसान आंदोलन की समर्थक है। मैं सुरक्षित हूं लेकिन मेरी चिंता यह है कि हम पंजाब में आतंकवाद और उग्रवाद के उदय को कैसे संभालेंगे। इस बीच, कंगना ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के टिकट पर हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से लोकसभा चुनाव 2024 जीता। उन्हें लोकसभा चुनाव में 537,022 वोट मिले, जबकि कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार विक्रमादित्य सिंह को 462,267 वोट मिले।

रवितेजा के भतीजे माधव स्टार पहली फिल्म मिस्टर इडियट का टीजर जारी

मास महाराज रवितेजा के भतीजे माधव अभिनीत फिल्म मिस्टर इडियट में नायिका के रूप में सिमरन शर्मा हैं। जेजेआर एंटरटेनमेंट्स और सुश्री यालामांची रानी के बैनर तले जेजेआर रविचंद द्वारा निर्मित, यह फिल्म गौरी रोनांकी द्वारा निर्देशित है, जिन्होंने पेली सांडा डी से व्यावसायिक सफलता हासिल की थी। आज रवितेजा ने सोशल मीडिया पर मिस्टर इडियट का टीजर जारी किया।टीजर में सत्या (सिमरन शर्मा द्वारा अभिनीत) का परिचय दिया गया है, जो ध्रुव फैशन डिजाइनिंग कॉलेज की एक शीर्ष छात्रा है, जो अपने अद्वितीय डिजाइन कौशल के लिए जानी जाती है। इस दौरान, हीरो (माधव) कॉलेज में प्रवेश करता है और सत्या को मल्टीपल कहकर चिढ़ाता है। टीजर दिलचस्प ढंग से दिखाता है कि कैसे उनकी उथल-पुथल भरी दोस्ती प्यार में बदल जाती है। माधव रवितेजा के ऊर्जावान सार को प्रस्तुत करते हैं और अपनी स्टाइलिश उपस्थिति और प्रदर्शन दोनों से प्रभावित करते हैं।मिस्टर इडियट, जिसने सभी निर्माण चरण पूरे कर लिए हैं, जल्द ही एक भव्य नाटकीय रिलीज के लिए तैयार है। रिलीज डेट की घोषणा मेकर्स द्वारा की जाएगी.

बस कंडक्टर से लेकर ऑस्कर-नॉमिनेटेड फिल्म में एक्टिंग तक,सुनील दत्त की जिंदगी पर एक नजर

सुनील दत्त 1950 और 1960 के दशक में बॉलीवुड के सुपरस्टार बन गए थे। उन्होंने साधना, इंसान जाग उठा, सुजाता, मुझे जीने दो, पड़ोसन जैसी कई हिट फिल्में दीं। इसके अलावा, एक्टर ने भारत की पहली ऑस्कर-नॉमिनेटेड फिल्म मदर इंडिया में भी काम किया। हर फिल्म में उनका अलग अंदाज, अवतार और तेवर देखने को मिले। वे एक्टिंग के साथ-साथ राजनीति में भी सफल रहे। यही वजह है कि उनकी राजनीतिक विरासत को उनकी बेटी प्रिया दत्त आगे बढ़ा रही हैं। आज उनकी 95वीं जयंती के मौके पर आपको उनके उन उतार-चढ़ावों के बारे में पता चलेगा, जिनके बारे में शायद ही कोई जानता हो।

परेशानियों भरा बचपन और शुरुआती जिंदगी

आपको बता दें कि सुनील दत्त की जिंदगी बचपन में भी आसान नहीं थी। उन्होंने बचपन से ही कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। 5 साल की छोटी सी उम्र में ही उन्होंने अपने पिता को खो दिया था। किसी तरह वे अपनी पढ़ाई पूरी कर पाए। सुनील दत्त जब 18 साल के थे, तब आजादी के बाद भारत का बंटवारा हो चुका था। ऐसे में वे अपनी मां के साथ पंजाब में बस गए। उन्होंने कुछ समय उत्तर प्रदेश के लखनऊ में भी बिताया।

इसके बाद वे पढ़ाई के लिए मुंबई चले गए और मुंबई के जय हिंद कॉलेज में पढ़ाई करने लगे। पढ़ाई के साथ-साथ वे जीविकोपार्जन के लिए काम की तलाश करने लगे। इसी तलाश में उन्हें बस कंडक्टर की नौकरी मिल गई और वे इसे करने लगे। मुंबई में सुनील दत्त ने कई छोटी-बड़ी नौकरियां कीं। इसके बाद उन्हें एक रेडियो चैनल में नौकरी मिल गई। रेडियो उद्घोषक के तौर पर सुनील दत्त ने अपनी आवाज का जादू बिखेरा। उर्दू पर अच्छी पकड़ और दमदार आवाज की वजह से वे काफी लोकप्रिय हुए।

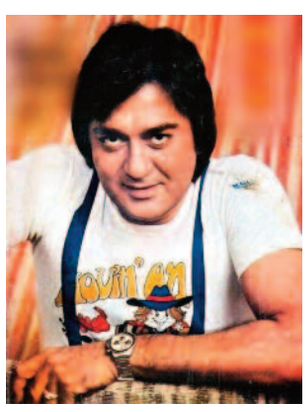

सुनील दत्त की डेब्यू फिल्म

रेडियो के बाद सुनील दत्त ने बॉलीवुड का रुख किया। उन्होंने फिल्म रेलवे प्लेटफॉर्म से डेब्यू किया। हालांकि अपनी पहली फिल्म से वे ज्यादा पहचान नहीं बना पाए, लेकिन कई बड़े निर्देशकों ने उन्हें नोटिस किया। 6 साल बाद सुनील दत्त को महबूब खान ने फिल्म मदर इंडिया में काम करने का ऑफर दिया। इसके साथ ही सुनील दत्त रातों-रात हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में स्टार बन गए। इसके बाद एक्टर ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

सुनील दत्त ने अपने अभिनय करियर में करीब 50 फिल्मों में काम किया। अपने अभिनय करियर में सफल होने के बाद उन्होंने फिल्म निर्माण में भी हाथ आजमाया, लेकिन उन्हें यह काम पसंद नहीं आया। इस काम की वजह से उनकी आर्थिक स्थिति काफी खराब हो गई।

सुनील दत्त की यादगार फिल्में

सुनील दत्त की मशहूर फिल्मों में साधना, इंसान जाग उठा, मुझे जीने दो और खानदान समेत कई हिट फिल्में शामिल हैं। हालांकि, उन्हें सबसे ज्यादा मदर इंडिया के लिए याद किया जाता है। इसी सेट पर सुनील दत्त और नरगिस की नजदीकियां बढ़ी थीं। दत्त ने 11 मार्च, 1958 को पंजाबी मोहयाल वंश की दिवंगत अभिनेत्री नरगिस से शादी की थी, जो मुस्लिम थीं। शादी से पहले नरगिस ने हिंदू धर्म अपना लिया था और अपना नाम निर्मला दत्त रख लिया था। कथित तौर पर, दत्त ने मदर इंडिया के सेट पर लगी आग से उनकी जान बचाई थी और बाद में वे एक-दूसरे के प्यार में पड़ गए।

जुग जुग जियो का सीक्वल बनाने में जुटे करण जौहर,टाइगर श्रॉफ आएंगे नजर

करण जौहर आने वाले दिनों में एक से बढ़कर एक फिल्में दर्शकों के बीच पेश करेंगे। वह अब जल्द ही अपनी एक और फिल्म का ऐलान करने वाले हैं।खबर है कि करण अपनी हिट फिल्म जुग जुग जियो का सीक्वल लेकर आ रहे हैं और आजकल वह इसकी की तैयारी में लगे हैं। खबर यह भी है कि इस बार फिल्म में अभिनेता टाइगर श्रॉफ की एंट्री होने वाली है।आइए जानते हैं क्या कुछ जानकारी मिली है।रिपोर्ट के मुताबिक, करण जुग जुग जियो के निर्देशक राज मेहता के साथ इसके दूसरे भाग की स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं।वरुण धवन फिल्म में वापसी करने वाले हैं, वहीं फिल्म में टाइगर भी हो सकते हैं। हालांकि, किसी के भी नाम पर निर्माता-निर्देशक की मोहर नहीं लगी है।पहले वरुण और टाइगर को लेकर राज एक एक्शन फिल्म बनाने वाले थे। हालांकि, बजट ज्यादा होने की वजह से उन्होंने वो फिल्म ठंडे बस्ते में डाल दी।राज फिलहाल अपनी टीम के साथ मिलकर एक ऐसी स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं, जो पूरी तरह से एक फैमिली एंटरटेनर हो और पहली किस्त से ज्यादा मनोरंजक हो।उधर करण भी फिल्म की कहानी के साथ कोई समझौता नहीं करना चाहते, इसलिए वह इससे जुड़े हर छोटे-बड़े पहलू पर खास ध्यान दे रहे हैं।स्क्रिप्ट फाइनल होने के बाद सीक्वल का ऐलान किया जाएगा और इससे जुड़ीं अन्य जानकारियां सामने आएंगी।

शराब घोटाले में अनवर,अरुणपति समेत चार आरोपितों को रिमांड पर लेगी ईडी

» 10 को कोर्ट में सुनवाई
» शराब घोटाले में ईडी करेगी पूछताछ
» चार आरोपितों को गिरफ्त में लेगी ईडी
» नकली होलोग्राम के मामले में भी केस दर्ज

रायपुर,07 जून 2024(ए)। राज्य के बहुचर्चित करोड़ों के शराब घोटाला केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) फिर से होटल कारोबारी अनवर ढेबर, पूर्व आबकारी अधिकारी अरुणपति त्रिपाठी, पूर्व बीएसपी कर्मी अरविंद सिंह और शराब कारोबारी त्रिलोक सिंह ढिल्लन उर्फ पप्पू को गिरफ्त में लेने की तैयारी में जुट गई है। दरअसल इसके लिए ईडी की ओर से विशेष कोर्ट में अर्जी लगाई गई थी, जिस पर कोर्ट में 10 जून को सुनवाई होगी

इनकी हो चुकी है गिरफ्तारी

ईओडब्ल्यू ने शराब घोटाले में चार अप्रैल को कारोबारी अनवर ढेबर और अरविंद सिंह की गिरफ्तारी की गई थी। रिमांड पर लेकर दोनों से लंबी पूछताछ के बाद न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया। इसके बाद 11 अप्रैल को तत्कालीन आबकारी सचिव अरुणपति त्रिपाठी को गिरफ्तार किया गया। फिर त्रिलोक सिंह ढिल्लन समेत अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी हुई है।

चारों आरोपितों से ईडी करेगी पूछताछ

ईडी इन चारों आरोपितों को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ करेगी। हालांकि इससे पहले भी चारों आरोपितों से ईडी की टीम लंबी पूछताछ कर चुकी है, लेकिन इसे मामले में इस साल नया केस दर्ज किया है।

नए केस में सिर्फ सेवानिवृत्त आइएएस अनिल टुटेजा की गिरफ्तारी हुई है, इसलिए बाकी आरोपितों की भी गिरफ्तारी की जाएगी। वहीं नोएडा एसटीएफ ने भी कोर्ट में चारों आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए अर्जी लगाई है। वहां भी नकली होलोग्राम के मामले में इन आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज है। इस केस में नोएडा पुलिस ने एक आरोपित विधु गुप्ता की गिरफ्तारी की है, जो फिलहाल नोएडा जेल में बंद हैं।

राजधानी की दर्जनों स्कूल बसें मिलीं अनफिट

» सुधार के लिए दिया गया निर्देश...

रायपुर,07 जून 2024(ए)। गर्मी की छुट्टियां जल्द ही ख़त्म होने वाली हैं। बच्चों का स्कूलों में बसों के माध्यम से आना-जाना शुरू हो जाएगा। ऐसे में स्कूली बसें फिट रहें, जिससे दुर्घटना से बचाव हो, इसके लिए परिवहन आयुक्त, अपर परिवहन आयुक्त के निर्देश पर और वरिष्ठ क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी आशीष देवांगन के मार्गदर्शन में पुराना बस स्टैण्ड, पंडरी में जांच शिविर लगाई गई। यह शिविर 18 मई, 25 मई, 29 मई और 01 जून को लगाई गई। शिविर में 516 बसें जांच के लिए आई जिसमें 86 बसों में खामियां पाई गई। जिसके लिए संबंधित संस्था प्रबंधकों को जल्द कमियां दूर करने के निर्देश दिए गए।

हाई कोर्ट की गाइडलाइन के तहत जांच

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने बताया कि इन स्कूली बसों में सभी वाहनों के दस्तावेजों, उच्च न्यायालय द्वारा स्कूल बसों के लिए दिये गये दिशा-निर्देशों के पालन तथा मैकनिकल जांच किया गया।

दस्तावेज सहित चालकों का भी हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

इस मौके पर जिला अस्पताल रायपुर के अनुभवी चिकित्सकों द्वारा वाहन जांच शिविर में चालक एवं परिचालकों का निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिसमें रक्तचाप, मधुमेह, दृष्टि क्षमता, मोतियाबिंद आदि की भी जांच की गई। उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह वाले चालकों को लगातार मेडिसीन का उपयोग करने की सलाह दी गई।

इस तरह की गई तकनीकी जांच

शिविर में बसों की बारिकी से जांच की गई। यह देखा गया कि हैण्ड ब्रेक सही ढंग से लग रही है या नहीं, क्लच एक्सीलेटर सही काम कर रहें है या नहीं। ब्रेक लाईट, हेड लाईट, पार्किंग लाईट की भी जांच की गई। इसके अलावा स्टेयरिंग, हार्न, सीट, रिफ्लेक्टर भी जांचे गये। साथ ही वाहन के आर.सी. बुक, मोटरयान कर, वाहन के परमिट, फिटनेस प्रमाण पत्र, वाहन के बीमा प्रमाण पत्र, वाहन का प्रदूषण प्रमाण पत्र, चालक का अनुज्ञा पत्र, जैसे दस्तावेज जांचे गये एवं स्पीड गवर्नर का परीक्षण किया गया।

बाकी बसों को 15 जून को पहुंचने के सख्त निर्देश

जांच शिविर में उपस्थित नहीं होने वाले वाहनों के लिए 15 जून, शनिवार को जांच शिविर आयोजित की गई है। इस दिन उपस्थित नहीं होने वाले बसों की जांच रोड पर की जाएगी। वाहनों में खामी पाये जाने पर स्कूल-कॉलेज बस के चालक एवं मालिक तथा स्कूल-कॉलेज प्रबंधक के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। रोड पर जांच होने से विद्यार्थियों को असुविधा हो सकती है इसको ध्यान में रखते हुए स्कूल-कॉलेज प्रबंधक 15 जून को वाहन जांच शिविर में आवश्यक रूप से उपस्थित हो।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कार्यकर्ताओं को दी हिदायत

» कहा सभी तैयार रहें, सालभर के भीतर हो सकते हैं मध्यावधि चुनाव

रायपुर,07 जून 2024(ए)। . लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कार्यकर्ताओं को तैयार रहने की हिदायत दी है। बघेल ने एक्स पर ट्वीट करते हुए लिखा है । कार्यकर्ता साथी तैयार रहें. 6 महीने, 1 साल के भीतर मध्यावधि चुनाव हो सकते हैं भूपेश बघेल ने आगे लिखा है कि फड़नवीस इस्तीफा दे रहे हैं। योगी जी की कुर्सी डोल रही है। भजनलाल

शर्मा भी डगमग-डगमग कर रहे हैं। सरकार बनी नहीं है, लेकिन जदयू प्रवक्ता अग्निवीर योजना रद्द करने और जातिगत जनगणना की बात कर रहे हैं. ये सब वो मुद्दे हैं, जिसे राहुल गांधी लेकर चले हैं।

गनपावडर फैक्ट्री ब्लास्ट केस में मृतकों एवं घायलों को स्वेच्छानुदान से मंजूर की गई राशि

रायपुर,07 जून 2024(ए)। राज्य के संवेदनशील मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कबीरधाम जिले के विकास पंडरिया के ग्राम बाहपानी में 20 मई को हुई दुःखद सड़क दुर्घटना एवं बेमेतरा जिले की भिंभौरी तहसील के ग्राम पिरदा में 25 मई को स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेड बारूद फैक्ट्री में हुए ब्लास्ट में मृतकों के परिजनों तथा घायलों सहित 51 अनुदानग्रहिताओं को अपने स्वेच्छानुदान मद से कुल 01 करोड़ 51 लाख 50 हजार रूपए की राशि स्वीकृत की है। मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रूपए तथा घायलों को 50-50 हजार रूपए के मान से सहायता राशि स्वीकृत की गई है। कबीरधाम जिले के ग्राम

बाहपानी की सड़क दुर्घटना में 19 मृतकों के परिजनों को 5 लाख रूपए के मान से 95 लाख रूपए तथा इस घटना में 16 घायलों को 50-50 हजार रूपए के मान से कुल 8 लाख रूपए की राशि मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा स्वेच्छानुदान मद से मंजूर की गई है।

डिप्टी सीएम ने किया एसआईटी का गठन

रायपुर,07 जून 2024(ए)। बलरामपुर-रामानुजगंज में दो लोगों की रहस्यमयी मृत्यु की जांच के लिए डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने एसआईटी का गठन किया है। बता दें कि 26-27 मई की रात को सुजीत स्वर्णकार और किरण काशी की रहस्यमयी हो गई थी। रहस्यमयी मृत्यु की जांच के लिए पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज के पर्यवेक्षण में एक विशिष्ट जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। विशिष्ट जांच दल में सहायक पुलिस महानिरीक्षक, (प्रशासन) पुलिस मुख्यालय रायपुर रत्ना सिंह उप पुलिस अधीक्षक (नक्स ऑप.) सरगुजा मनकराम कश्यप, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (रसायन) क्षेत्रीय न्याया. विज्ञान प्रयोगशाला सरगुजा पीएस भगत, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (बायोलॉजी) क्षेत्रीय न्याया. विज्ञान प्रयोगशाला सरगुजा एसके सिंह, निरीक्षक जिला सरगुजा दुर्गेश्वरी चौबे, उप निरीक्षक रायपुर दिव्या शर्मा, प्रधान आरक्षक जिला सूरजपुर

विशाल मिश्रा, आरक्षक जिला सूरजपुर प्रेम सागर साहू, आरक्षक जिला सरगुजा रमन मंडल शामिल है। जांच समिति घटना स्थल का भ्रमण कर जांच-पड़ताल के बाद 7 दिन के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तत करेगी।

आचार संहिता हटते ही 3 आईएएस अफसरों का ट्रांसफर

» आईएएस नीलेश क्षीरसागर बने कांकेर के नए कलेक्टर,
» अभिजीत सिंह को गृह-जेल विभाग की जिम्मेदारी

रायपुर,07 जून 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव की आचार संहिता खत्म होते ही सामान्य प्रशासन विभाग ने 3 आईएएस अधिकारियों का ट्रांसफर किया है। लोकसभा चुनाव में अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के पद पर पदस्थ 2011 बैच के आईएएस

नीलेश क्षीरसागर को कांकेर जिले का कलेक्टर बनाया गया है। वहीं, 2012 बैच के आईएएस अभिजीत सिंह को कांकेर कलेक्टर से हटाकर गृह एवं जेल विभाग का विशेष सचिव बनाया है। इसके अलावा, 2001 बैच के आईएएस वासु जैन को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ से ट्रांसफर कर योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी विभाग का अवर सचिव बनाया गया है।

बस्तर से न्यायधानी का रास्ता हुआ आसान

» आज से शुरू हुई बिलासपुर की नई उड़ान,
» सप्ताह में तीन दिन मिलेगी सुविधा

जगदलपुर,07 जून 2024(ए)। बस्तर से न्यायधानी बिलासपुर का रास्ता अब आसान हो गया है। एयर एलायंस की बिलासपुर फ्लाइट की शुरूआत 3 जून को होनी थी, लेकिन कुछ कारणों से इसे स्थगित कर 7 जून कर दिया गया था। अब फ्लाइट की शुरुआत शुक्रवार से शुरू हो गई है। पहले ही दिन बिलासपुर के लिए 4 यात्री तो दिल्ली के लिए 30 यात्रियों ने उड़ान भरी है। सप्ताह में तीन दिन लोग इस सेवा का लाभ ले पाएंगे। बिलासपुर तक के लिए लोगों को 1500 रुपए

का टिकट लेना होगा। अब तक एलायंस एयर जगदलपुर से हैदराबाद व रायपुर के अलावा जबलपुर व दिल्ली तक फ्लाइट ऑपरेट करता रहा था। अब जगदलपुर देश के 5 शहरों से जुड़ चुका है। इसका फायदा लोगों को मिलेगा।. हफ्ते में दो दिन सोमवार व शुक्रवार को एलायंस एयर का विमान दिल्ली, जबलपुर, जगदलपुर, बिलासपुर, दिल्ली संचालित होगा।. वहीं बुधवार को दिल्ली, बिलासपुर, जगदलपुर, जबलपुर, दिल्ली फ्लाइट ऑपरेट होगी।

शहर से जबलपुर वाया दिल्ली जाने वाली फ्लाइट का किराया अब 5500 रुपए कर दिया गया है। पहले इसके लिए लोगों को 8500 रुपए देने पड़ रहे थे। टिकट के रेट में एक झटके में तीन हजार रुपए कम किए जाने से यात्रियों को बड़ी राहत मिली है। बिलासपुर जाने वाले यात्रियों ने बताया कि हाईकोर्ट जाने के लिए बस के अलावा कोई और सुविधा नहीं थी। एयर कनेक्टिविटी होने से हाईकोर्ट का रास्ता अब आसान हो गया है।

रायपुर मेडिकल कालेज में 580 अंकों में मिल सकता है प्रवेश

रायपुर,07 जून 2024(ए)। नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) यूजी के जारी हो गया है। एमबीबीएस, बीडीएस समेत अन्य कोर्स में प्रवेश के लिए छात्रों को काउंसिलिंग तिथि का इंतजार है। एनमएसी की ओर से काउंसिलिंग का नोटिफिके शन अभी जारी नहीं हुआ है। नीट परिणाम आने की संभावित तिथि 14 जून थी,लेकिन एनटीए ने 10 दिन पहले चार जून को ही परिणाम घोषित कर दिए।

इस वजह से काउंसिलिंग की तिथि निर्धारित नहीं हो पाई है। उम्मीद है कि जल्द ही काउंसिलिंग की तिथि आएगी। पिछले वर्ष जुलाई में काउंसिलिंग शुरू हुई थी। इस बार मेडिकल कालेजों में प्रवेश को लेकर छात्रों में कड़ी स्पर्धा है। पिछले वर्ष अंतिम राउंड में 530 अंक वाले अभ्यर्थी को अनारक्षित वर्ग में रायपुर मेडिकल कालेज में प्रवेश मिल गया था, लेकिन इस बार उम्मीद नहीं है। जानकारों ने बताया कि इस बार बहुत ज्यादा कटआफ जाएगा।

जिस तरह से छात्रों को अंक मिले हैं, उसके मुताबिक 580 अंक हासिल करने वाले छात्रों को ही रायपुर मेडिकल कालेज में प्रवेश मिल सकता है। इससे ज्यादा भी कटआफ जा सकता है। इस बार प्रदेश के सरकारी मेडिकल कालेजों में एबीबीएस की सीट नहीं बढ़ेगी, पिछली बार की तरह ही 1460 सीटों में प्रवेश दिए जाएंगे।हालांकि, निजी कालेज में सौ सीटें बढ़ने की संभावना है।

11 साल के मासूम मृतक प्रखर ने अंगदान कर बचाई कई जिंदगियां

रायपुर,07 जून 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में पहली बार बच्चे का अंगदान दिया गाय। 11 साल के प्रखर साहू पिछले पांच दिनों से रामकृष्ण केयर हास्पिटल में भर्ती थे। उन्हें खेलते वक़्त सिर में चोट लगने की वजह से भर्ती कराया गया था। उनकी माता मंजू साहू और पिता रमेश साहू एक जून2024 से अपने बच्चे के ठीक होने का इंतज़ार कर रहे थे। मगर सिर पर गहरी चोट होने की वजह से पांच जून 2024 को प्रखर को ब्रेन डेथ घोषित किया गया। प्रखर कक्षा सातवीं में पढता था। प्रखर को फुटबाल खेलने का बहुत शौक था, हाल ही में दोस्तों के साथ फुटबाल खेलते खेलते फुटबाल के स्टैंड लगने से उसके सिर पर गहरी चोट आई थी।

ब्रेन डेथ होने की वजह से डाक्टरों के द्वारा सुझाने पे ट्रांसप्लांट कोआर्डिनेटर उमाशंकर मिश्रा और डॉ. निकिता श्रीवास्तव ने प्रखर के माता पिता को अंगदान का सुझाव दिया। भविष्य में जीवित होने की प्रखर की सभी संभावनाओं को देखते हुए बहुत ही भारी मन से, हिम्मत बांधते हुए

प्रखर के माता पिता ने अपने बच्चे के अंगों एवं उत्तक (किडनी, लिवर, कार्निया और हार्ट वाल्व) का दान करने का फैसला लिया। छत्तीसगढ़ में अब तक सात मृतक अंगदान किये जा चुके हैं जिससे अब तक 17 लोगों को नई ज़िन्दगी मिल चुकी हैं। जिसमे 13 किडनी और 4 लिवर शामिल है। प्रखर इस कड़ी में आठवां है, मगर छत्तीसगढ़ में बाल्य मृतक अंगदान में पहला बच्चा है, जिसने अपने त्याग से दूसरों को जीने का मौका दिया है।

प्रखर का लिवर और एक किडनी रामकृष्ण केयर हास्पिटल को सौंपा गया है एवं एक किडनी एम्स रायपुर को। कार्निया डा. भीमराव आंबेडकर मेमोरियल हास्पिटल तथा हार्ट वाल्व सत्य साई हास्पिटल नवा रायपुर को दिया गया। रामकृष्ण से डॉ. नईम, डॉ. अजीत मिश्रा, डॉ. युक्तांश पांडे, डॉ. राजकुमार, डॉ. धीरज, डॉ. हर्ष जैन और डॉ. मलय रंजन (सभी यूरोलॉजी) के साथ डॉ. संदीप दवे, डॉ. अजय पाराशर, डॉ. प्रवाश कुमार चौधरी, डॉ. संजीव काले (सभी नेफ्रोलॉजी), डॉ. श्रुति खड़खेडकर (एनेस्थिसियोलॉजी), डॉ. अखिल जैन (एचसीओओ) और रामकृष्ण के उनके सहयोगियों ने बहुत सावधानी से 66 वर्षीय पुरुष में लीवर और 43 वर्षीय महिला में किडनी प्रत्यारोपित की।

पुलिस-नक्सली मुठभेड़ में 5 नक्सली मारे गए

नारायणपुर,07 जून 2024(ए)। एसपी प्रभात कुमार ने बताया कि नारायणपुर-दंतेवाड़ा के सीमावर्ती इलाके में जिला रिजर्व ग्रूप के जवानों के साथ मुठभेड़ में 4 नक्सली मारे गए. हथियार बरामद कर लिए गए हैं. ऑपरेशन जारी है। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बस्तर क्षेत्र के नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिलों की सीमा पर पुलिस मुठभेड़ की बड़ी खबर आ रही है। बताया जा रहा है कि, मुठभेड़ में 3

जवान घायल हो गए हैं वहीं 5 वर्दीधारी नक्सली मारे गए हैं। मुठभेड़ गोवेल के जंगलों में होना बताया जा रहा है। दंतेवाड़ा एसपी ने चार नक्सलियों के मारे जाने और उनके शव शव जवानों द्वारा बरामद कर लिए जाने की जानकारी दी है। इस वक्त इलाके की सर्चिंग जारी है। सुरक्षाबलों को इस मुठभेड़ में बड़ी संख्या में नक्सलियों के घायल होने की भी उम्मीद है। 6 जून से शुरू हुए इस अभियान में 7 जून को नक्सलियों से जवानों का सामना हुआ।

सेक्स स्कैंडल केस के आरोपी पर इनाम

बलौदाबाजार,07 जून 2024(ए)।छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले के चर्चित सेक्स स्कैंडल मामले के फरार आरोपियों पर पुलिस ने ईनाम की घोषणा कर दी है। पुलिस की लगातार कोशिशों के बाद भी सेक्स स्केंडल के आरोपी अब तक गिरफ्त से बाहर हैं। जिसे लेकर अब पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने

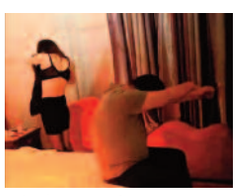

लगे हैं। जिसके बाद एसपी ने अब आरोपियों को पकड़ने में मदद करने वाले को पुरुस्कार से सम्मानित करने की घोषणा कर दी है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)